जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025

A LEGACY OF KNOWLEDGE
A COMMITMENT OF HUMANITY

PROF. (Dr.) BALVIR S. TOMAR

M.B.B.S., M.D., M.C.H.(USA), M.I.A.P., M.A.H.T.(ENGLAND)
F.I.A.P.(USA), F.A.A.P.(USA), F.I.C.A.(USA), F.A.C.U.(LONDON)

Pediatric Hepatology - Kings College, London
Pediatric Gastroenterology - Harvard University, USA
W.H.O. Fellow in Child Health in USA
Common Wealth Medical Fellow in London (England)

Founder & Chancellor
Nims University Rajasthan, Jaipur

proudly announcing

BALVIR SINGH TOMAR
INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & RESEARCH

SHAPING THE FUTURE OF HEALTHCARE

OFFERING ADMISSION IN 150 MBBS SEATS FROM SESSION 2025-26

EQUIPPED WITH WORLD CLASS INFRASTRUCTURE AND CUTTING EDGE TECHNOLOGY EQUIPMENTS

Anatomy Lab

Physiology Lab

Biochemistry Lab

Microbiology Lab

Pathology Lab

Pharmacology

24x7 Emergency

Skill Lab

Premium Wards

Modular OT(s)

Central Lab

Library

- 650+ Beds
- 50+ ICU Beds
- 40+ Specialities
- 24x7 Emergency & Trauma Care
- Modular OT
- Critical Care
- NICU | PICU
- Dialysis
- Blood Bank
- MICU | SICU
- 3.0 Tesla MRI
- 4D Ultrasound
- 1152 Slice CT Scan

Balvir Singh Tomar Institute of Medical Sciences & Research
24x7 Emergency Services

Add: Science Tech City, Jaipur-Delhi Highway (NH-11C), Jaipur-303002
www.bstmedicalcollege.com

Admission in MBBS is through NEET Counselling only
For more details please visit - www.rajugneet2025.in
Contact for more information at +91 97999 53457

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

देश में मतदाता सूचियों का एसआईआर यानी (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रारम्भ होने जा रहा है

चुनाव आयोग अब बिहार के बाद पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR), मतदाता सूचियों का करने जा रहा है। राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों को इस हेतु आदेश जारी किये जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशन जारी किये हैं और कहा है कि अपने-अपने राज्यों के मतदाता की स्थिति, गत पुनरीक्षण प्रक्रिया और वर्तमान् तैयारी के बाबत प्रेजेन्टेशन तैयार करें ताकि भविष्य में शीघ्र ही विशेष बैठक में इस विशेष विषय पर चर्चा हो सके और अगला रोड मैप तैयार कर सकें।

बिहार में एसआईआर को लेकर कई रिट् याचिकायें सुप्रीम कोर्ट में पेश हुई हैं, उनमें वैधानिक व कानूनी आपत्तियां मतदाता सूचियों के बाबत उठाई गई हैं। इस विवाद ने गम्भीर रूप धारण कर लिया है, देश में जगह-2 आन्दोलन हो रहे हैं बिहार में यात्रायें निकाली जा रही हैं। रिट् याचिका में SIR की कार्यवाही पर रोक नहीं लगाई है, मतदाता सूचियों का ड्राफ्ट प्रकाशित हो चुका है, उन पर सुधार हेतु प्रतिवेदन मांगे गये हैं। 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाये गये हैं। सुप्रीम कोर्ट में बहस जारी है। समय-2 पर दिये गये निर्देशनों पर अमल हो रहा है। निर्णय शीघ्र होने की संभावना है।

चुनाव आयोग का मानना है कि शहरीकरण और मजदूरों के पलायन व अवैध माइग्रेन्ट के और अन्य कारणों से मतदाता सूचियों में कई दोष व त्रुटियां पाई गई हैं। अतः चुनाव आयोग बहुत गम्भीरता से मतदाता सूचियों की SIR कराकर शुद्धिकरण युद्ध स्तर पर कराना चाहता है और उसका संवैधानिक दायित्व भी है।

बिहार में एक बडी समस्या बांग्लादेश व म्यांमार व अन्य देशों से आये वहां के नागरिकों के बसने के कारण उत्पन्न हुई है, वे अवैध प्रवासी हैं। ऐसे में उनकी पात्रता की गहन जांच आवश्यक है।

उपरोक्त स्थिति में चुनाव आयोग 10 सितम्बर 2025 को राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों का सम्मेलन बुलाया है, जिसमें अगली SIR पर चर्चा होगी। इस काम में लगने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को परीक्षण भी दिया जावेगा। चुनाव आयोग अधिकारियों से सुधार हेतु सुझाव भी आमंत्रित करेगा।

यहां यह कहना आवश्यक है कि किसी भी देश में जहां लोकतंत्र है, वहां चुनावों की प्रक्रिया की शुद्धता पर ही उसकी प्रगति व सफलता निर्भर करती है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदो, विधायकों, संवैधानिक पदों के निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का दायित्व चुनाव आयोग को दिया है। संविधान के अनुच्छेद 326 में चुनाव में मतदाता को वयस्क मताधिकार दिया है, अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को जो भारत का नागरिक है उसे मतदाता माना है। चुनावों की प्रक्रिया क्या होगी, इसके सम्बन्ध में संसद को अधिकार दिया है, वह कानून बना कर संचालन की व्यवस्था करेगी, जो संविधान के उपबन्धों के अधीन होगी। इसका अर्थ है कि संसद का कानून किसी भी प्रकार अनुच्छेद 324, 326 में दिये गये अनुबन्धों को सीमित नहीं करेगा। साथ ही अनुच्छेद 329 में यह भी स्पष्ट कर दिया कि निर्वाचन (चुनाव) के मामलों में न्यायालय का हस्तक्षेप वर्जित कर दिया। हाँ, यदि कोई निर्वाचन सम्बन्धित मामला है तो वह चुनाव याचिका दायर कर ही निर्णित कराया जा सकेगा। चुनाव याचिका सुनने का अधिकार राज्यों के हाईकोर्ट को दिया गया है।

यहाँ लिखना समीचीन होगा कि सुप्रीम कोर्ट में जिन रिट् याचिकायों की सुनवाई हो रही हैं वे सब रिट् याचिकायें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत् हैं, और विषय है 'मतदाता सूची' अर्थात् मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) ताकि मतदाता सूचियों की त्रुटियां सही की जा सके। चूंकि मतदाता केवल देश का नागरिक ही हो सकता है और नागरिक कौन है, इसका मापदण्ड संविधान के अनुच्छेद 6 से अनुच्छेद 11 में दिया गया। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति की पहिचान और पात्रता की गहन जांच आवश्यक। अतः सम्मेलन में तय किया जावेगा कि ऐसे कौनसे डोकूमेन्ट्स हो सकते हैं, जिनसे इस सम्बन्ध में सहायता ली जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने दिनांक 08.09.2025 के आदेश में माननीय खण्डपीठ ने SIR रिट्स (No. 640/2025) की सुनवाई करते हुये दिया उसमें कहा कि आधार 12वां डोकूमेंट की लिस्ट में लिया जावे, जिनके आधार पर Identity (पहिचान) के हेतु रिवाइज्ड वोटर्स लिस्ट में नाम जोड़ा जा सकता है। साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। न्यायालय ने यह भी इंगित किया कि आधार की प्रमाणिकता की जांच भी की जा सकती है। चुनाव आयोग के एडवोकेट ने न्यायालय को स्पष्टीकरण देते हुये बहस की है कि नागरिकता को साबित करने के लिए आधार का उपयोग नहीं किया जा सकता और जिन डोकूमेन्ट की पहिचान (Identity) के लिए माना है, उस पर चुनाव आयोग को आपत्ति नहीं है, चुनाव आयोग अवैध माइग्रेन्टस को मतदान के हेतु योग्य नहीं मान सकता, केवल उन्हें ही मतदाता सूची से अलग किया जावेगा। बहस के हेतु 15 सितम्बर, 2025 की आगामी तारीख दी गई है। आशा है बैठक में भी इन विवादों पर चर्चा से कोई ठोस परिणाम समस्या के निदान का निकलेगा।

यहां यह कहना आवश्यक है कि किसी भी देश में जहां लोकतंत्र है, वहां चुनावों की प्रक्रिया की शुद्धता पर ही उसकी प्रगति व सफलता निर्भर करती है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदो, विधायकों, संवैधानिक पदों के निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का दायित्व चुनाव आयोग को दिया है।

उपरोक्त को भली-भांति समझने के लिये पाठकों की सुविधा के लिये संविधान के अनुच्छेद 324, 326 व 329 को यहां उद्धृत किया जा रहा है:-

"अनुच्छेद 324. निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का निर्वाचन आयोग में निहित होना।"

(1) इस संविधान के अधीन संसद् और प्रत्येक राज्य के विधान-मंडल के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के पदों के लिए निर्वाचनों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और उन सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण, एक आयोग में निहित होगा (जिसे इस संविधान में निर्वाचन आयोग कहा गया है)।

(2) निर्वाचन आयोग मुख्य निर्वाचन आयुक्त और उतने अन्य निर्वाचन आयुक्तों से, यदि को हों. जितने राष्ट्रपति समय-समय पर नियत करे, मिलकर बनेगा तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति, संसद् द्वारा इस निमित्त बना ग विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए, राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।

(3) ....

(4) ....

(5) ......

(6) जब निर्वाचन आयोग ऐसा अनुरोध करे तब राष्ट्रपति या किसी राज्य का राज्यपाल निर्वाचन आयोग या प्रादेशिक आयुक्त को उतने कर्मचारिवृंद उपलब्ध कराएगा जितने खंड (1) द्वारा निर्वाचन आयोग को सौंपे गए कृत्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक हों।"

"अनुच्छेद 326- लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के लिए निर्वाचनों का वयस्क मताधिकार के आधार पर होना। - लोक सभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के लिए निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति, जो भारत का नागरिक है और ऐसी तारीख को, जो समुचित विधान-मंडल द्वारा बना ग किसी विधि द्वारा या उसके अधीन इस निमित्त नियत की जाए, कम से कम (अठारह वर्ष) की आयु का है और इस संविधान या समुचित विधान-मंडल द्वारा बना ग किसी विधि के अधीन अनिवास, चित्तविकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा निरर्हित नहीं कर दिया जाता है, ऐसे किसी निर्वाचन में मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का हकदार होगा।"

"अनुच्छेद 329. निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्जन।"

(क) अनुच्छेद 327 या अनुच्छेद 328 के अधीन बना ग या बना जाने के लिए तात्पर्यित किसी ऐसी विधि की विधिमान्यता, जो निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन या ऐसे निर्वाचन-क्षेत्रों को स्थानों के आबंटन से संबंधित है, किसी न्यायालय में प्रश्नगत नहीं की जाएगी;

(ख) संसद के प्रत्येक सदन या किसी राज्य विधान-मंडल के सदन या प्रत्येक सदन के लिए को निर्वाचन ऐसी निर्वाचन अर्जी पर ही प्रश्नगत किया जाएगा, जो ऐसे प्राधिकारी को और ऐसी रीति से प्रस्तुत की ग है जिसका समुचित विधान-मंडल द्वारा बना ग विधि द्वारा या उसके अधीन उपबंध किया जाए, अन्यथा नहीं।"

आशा की जा सकती है कि चुनाव आयोग द्वारा उक्त बैठक में स्पष्ट निर्देश जारी किये जावेंगे और शुद्ध मतदाता सूची विधिवत जारी करने का मार्ग प्रशस्त होगा। चुनाव आयोग ने न्यायालय के समसक्ष अपने एडवोकेट के द्वारा, स्पष्ट किया है कि कुल 7.24 करोड़ वोटर्स के नामों में से 99.6ड़ वोटर्स ने अपने नाम ड्राफ्ट वोटर्स लिस्ट में शामिल करने हेतु फॉर्म भर कर दे दिये हैं। विवाद जो शेष है वह घ्र्तुंत र्ुंहू (अवैध प्रवासियों) का है। 65 लाख तथाकथित मतदाताओं के नाम काटे हैं, उसमें तीन केटेगरी के लोग हैं, मृतक, अवैध प्रवासी और वे हैं जिनके नाम दो जगह हैं। अब तक आरजेडी नेता ने केवल 265 नाम बताये हैं, जिनका नाम काटा गया है। फर्जी कागजात पेश करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही होगी।

राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की बैठक हो चुकी है। बैठक में चुनाव अधिकारियों को निर्देश देते हुये स्पष्ट किया है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जावे और अपात्र इसमें शामिल नहीं हो। आधार कार्ड को 11 अन्य दस्तावेजों के साथ शामिल किया जावे। राज्य के बाहर से आने वाले विदेशी अवैध प्रवासियों की जांच की जावे उनसे घोषणा-पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था, विकल्प में जिनका जन्म भारत में 1 जुलाई, 1987 और 2 दिसम्बर, 2004 के बीच हुआ है, उन्हें अपने माता-पिता की जन्मतिथि/जन्म स्थान के सम्बन्ध के दस्तावेज लिये जावें। यह भी निर्देश दिये हैं कि चुनाव अधिकारी मतदाता घर-घर जाकर सत्यापन करें ताकि मतदाता सूची दोष मुक्त हो।

गलतियाँ हुई हैं, उन्हें सुधारा जा सकता है। अन्य राज्यों में एंर्ह के विरूद्ध नई याचिकाओं का उद्देश्य भी यही है कि सभी राज्यों में शुद्ध मतदाता सूची तैयार हो। मतदान करना नागरिक का संवैधानिक अधिकार है न कि मूल अधिकार।

सबको सन्मति दे भगवान्!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

उपराष्ट्रपति और उनके संवैधानिक दायित्व

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति चन्द्रपुरम मोन्नुसामी राधाकृष्णन यानी सी.पी. राधाकृष्णन के नाम के साथ ही भारत के पहले उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होना स्वाभाविक है। 20 अक्टूबर 1957 को जब तमिलनाडु में इनका जन्म हुआ तो इनके माता-पिता ने उनके नाम के साथ राधाकृष्णन जोड़ दिया, ताकि उनका बेटा भी डॉ. एस. राधाकृष्णन की तरह बड़ा आदमी बने। माता-पिता ने जिस उम्मीद से बेटे का नाम रखा आखिर वह 9 सितम्बर 2025 को इनके उपराष्ट्रपति चुने जाने के साथ ही साकार हो गई। एनडीए ने सी.पी. राधाकृष्णन को जब उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी बनाया तब उनकी माता जानकी अम्माल ने उनके नाम के पीछे की यह कहानी बताई थी।

सी.पी. राधाकृष्णन भारत के 17वें तथा व्यक्तियों के हिसाब के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। निर्वाचित 15 उपराष्ट्रपतियों में डॉ. एस. राधाकृष्णन (1952-57, 1957-62) तथा मोहम्मद हामिद अंसारी (2007-2012, 2012-17) दो-दो बार इस पद पर रहे।

उपराष्ट्रपति रहे भैरोंसिंह शेखावत एवं जगदीप धनखड़ ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। देश के 15 उपराष्ट्रपतियों में से डॉ. राधाकृष्णन, डा. जाकिर हुसैन, वी.वी. गिरि, बी.डी. जत्ती, एम. हिदायतुल्लाह, आर वेंकटरमन, शकंर दयाल शर्मा और के.आर. नारायणन आगे चलकर राष्ट्रपति भी निर्वाचित हुए। नये उपराष्ट्रपति की शालीनता और संगठनात्मक अनुभव के आधार पर यह आशा की जा सकती है कि वे संसदीय शुचिता सुनिश्चित करने में सहायक होंगे। उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी और उत्पादक हो सकती है, विशेषकर जब पक्ष और विपक्ष के बीच खींचतान के चलते संसद के कामकाज में निरंतर व्यवधान होना एक निन्दनीय परम्परा सी बनी हुई है।

हमने उपराष्ट्रपति के पद के संवैधानिक दायित्व की अवधारणा को राष्ट्रपतीय शासन प्रणाली वाले अमेरिका से लिया है जहां की सीनेट (उच्च सदन) का अध्यक्ष उपराष्ट्रपति होता है। संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) के पदेन सभापति के रूप में उसकी भूमिका सभा के सुचारू संचालन और सदन की गरिमा एवं मर्यादा को बनाये रखने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह नियमों का उल्लंघन करने वाले सदस्य के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार रखता है। वह सत्र के दौरान सदस्यों द्वारा उठाये गये औचित्य के प्रश्नों पर निर्णय लेने तथा विधेयकों और प्रस्तावों को समितियों को विस्तृत जांच के लिए सम्बन्धित संसदीय समितियों को भेजता है। राज्य सभा में किसी मामले पर मतदान के दौरान मत बराबर होने की स्थिति में, सभापति को निर्णायक मत देने का अधिकार है। राष्ट्रपति के निधन या पदत्याग या अन्य किसी कारण से पद रिक्त हो तो उपराष्ट्रपति नये राष्ट्रपति की नियुक्ति तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं। साथ ही राष्ट्रपति की अनुपस्थिति या उनकी बीमारी या अपने कृत्यों का निर्वहन करने में असमर्थ होने पर उपराष्ट्रपति द्वारा उनके कृत्यों का निर्वहन किया जाता है। भारत में कई बार उपराष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति के दायित्वों का निर्वहन किया गया है। इसके लिए उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति के पद की शपथ दिलाई जाती है। उदाहरण है कि राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की सोवियत संघ की यात्रा के समय वर्ष 1960 में तथा बाद में उनके अस्वस्थ होने पर 1961 में उपराष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन ने भी राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन की अस्वस्थता व अन्य कारण से दो बार राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन किया।

राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन के निधन पर उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने तथा राष्ट्रपति डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद के निधन पर उपराष्ट्रपति बी.डी. जत्ती ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उपराष्ट्रपति मोहम्मद हिदायतुल्लाह ने भी राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह के विदेश में उपचार हेतु जाने पर उनके पद के दायित्वों का निर्वहन किया। उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं तो वे राष्ट्रपति की समस्त शक्तियां और उन्मुक्तियों का उपयोग करते हैं। कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति द्वारा वे सभी कार्य सम्पादित किये जाते हैं जो राष्ट्रपति नियमित रूप से करते हैं। उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं उस अवधि के दौरान वह राज्य सभा के सभापति के कत्तर्व्यों का पालन नहीं कर सकते। ऐसी स्थिति में राज्य सभा के उपसभापति द्वारा सभा का संचालन किया जाता है। सभापति के समान ही उप सभापति भी राज्य सभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करते समय सदन के समस्त नियमों और प्रक्रियाओं को लागू कर सकते हैं। राज्यसभा की कार्यवाही के संचालन में उपसभापति की भूमिका और अधिकार सभापति के समकक्ष होते हैं। आवश्यक होने पर सभापति सभा के आदेशों के क्रियान्वयन के लिए वारंट जारी करता है।

दिनांक 21.12.1967 एवं 18.3.1982 को राज्य सभा की दर्शक दीर्घा से पर्चे फेंकने व नारे लगाने वाले व्यक्तियों को साधारण कारावास का दंड देने पर सभापति ने अपराधियों को जेल अधीक्षक को सौंपने के वारंट जारी किये थे। दिनांक 21.11.1983 को दर्शक दीर्घा से नारे लगाने एवं चप्पल फेंकने वाले एक दर्शक को सभा ने एक संकल्प द्वारा जब सत्र की समाप्ति तक साधारण कारावास का दंड दिया तो सुपुर्दगी वारंट उप सभापति के हस्ताक्षर से जारी किया गया था। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति को, उपराष्ट्रपति के रूप में तो कोई वेतन नहीं मिलता। वह राज्य सभा के सभापति के रूप में ही वेतन प्राप्त करता है। उसका वेतन एवं भत्ते संसद के अधिकारी वेतन एवं भत्ता अधिनियम 1953 और इसके अधीन बनाये गये नियमों द्वारा विनियमित होते हैं। चूँकि उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति तो होता है लेकिन वह राज्य सभा का सदस्य नहीं होता इसलिए उसे राज्य सभा से पेंशन नहीं मिलती। भारत के उपराष्ट्रपति को पेंशन तो मिलती है लेकिन वह उसके त्यागपत्र देने या कार्यकाल की समाप्ति के बाद 'उपराष्ट्रपति (पेंशन) एक्ट, 1997' के अन्तर्गत मिलती है। यदि उपराष्ट्रपति दुर्व्यवहार के कारण हटाए गए हों, तो उन्हें पेंशन और बाकी सुविधाएं नहीं दी जाती हैं। उपराष्ट्रपति सम्बन्धी प्रावधान पर संविधान सभा में 28 दिसम्बर 1948 को कोई ठोस बहस नहीं हुई थी। प्रारूप संविधान के अनुच्छेद 53 पर उपराष्ट्रपति को राज्य सभा का पदेन सभापति बनाना तय किया गया। यह भी निश्चित किया गया कि वह कोई अन्य लाभ का पद धारण नहीं करेगा। परंतु प्रारूप संविधान के अनुच्छेद 54 के अधीन किसी अवधि के दौरान जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा, तब वह राज्य सभा के सभापति के पद के कत्तर्व्यों का पालन नहीं करेगा। यह भी तय किया गया कि उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में काम करेगा तब उसे राष्ट्रपति का वह वेतन दिया जायेगा जो उस पद के लिए दिया जाता है। ऐसी स्थिति में वह संविधान के अनुच्छेद 97 के अधीन राज्यसभा के सभापति को देय वेतन और भत्तों का हकदार नहीं होता।

उपराष्ट्रपति का चुनाव संविधान के अनुच्छेद 66 के अन्तर्गत लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्यों के द्वारा होता है। उपराष्ट्रपति संसद के किसी सदन या किसी राज्य के विधान-मण्डल का सदस्य नहीं हो सकता। लोकसभा अध्यक्ष के समान राज्य सभा के उपसभापति का निर्वाचन राज्यसभा के सदस्यों में से ही किया जाता है जो अधिक लोकतांत्रिक कहा जा सकता है। यह राज्यसभा का पूर्णकालिक अधिकारी होता है। उसे भी सभापति के समान संसद के अधिकारी वेतन और भत्ता अधिनियम के तहत वेतन भत्ते प्राप्त होते हैं। जब सभापति का पद रिक्त हो या उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहा हो तब सभापति के कत्तर्व्यों का पालन उपसभापति द्वारा ही किया जाता है।

यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा कि वर्ष 2019 से लोकसभा के उपाध्यक्ष का पद रिक्त है, इसके बावजूद लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सभा का कामकाज सभापति तालिका के सदस्यों के सहयोग से सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। ऐसे में राज्यसभा के उपसभापति को यदि सभापति के रूप में सम्पूर्ण दायित्व सौंप दिये जाये तो भी राज्यसभा का कामकाज उपसभाध्यक्ष तालिका के सदस्यों के सहयोग से सक्षम रूप से संचालित किया जा सकता है।

- डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा, जयपुर

"राजस्थान रत्न" कन्हैयालाल सेठिया - साहित्य की अखंड ज्योत

महाकवि कन्हैयालाल सेठिया की जन्म जयंती पर विषेश...........

रचना सरन

"धरती धोरां री!
आ तो सुरगां नै सरमावै,
ई पर देव रमण नै आवै,
ई रो जस नर नारी गावै,
धरती धोरां री!"

बचपन में जब यह गीत स्कूल में सुनते थे, तब यह किसी देववाणी से कम नहीं लगता था। यह गीत राजस्थान के राष्ट्रगान के रूप में राजस्थान की पहचान था और मुझे बहुत अपना सा लगता था। वर्षों बाद कोलकाता में जब सिद्धार्थ सेठिया जी से भेंट हुई तो उनका परिचय भी इन पंक्तियों के साथ हुआ था की आप "धरती धोरा री" गीत के रचयिता कन्हैयालाल सेठिया जी के पौत्र हैं। मेरी खुशी का पारावार ना रहा जब उन्होंने मुझे कन्हैयालाल सेठिया जी की हिन्दी कविताओं का संग्रह समग्र (खण्ड एक और दो) भेजा। जुगल किशोर जैथलियाजी द्वारा संपादित समग्र के दो खण्डों में सेठिया जी के हिंदी के 18 ग्रन्थों एवं उर्दू के दो ग्रन्थों का समावेश है। प्रथम खण्ड में 'वनफूल' से लेकर 'अनाम' तक के ग्रन्थों की रचनाओं को संग्रहित किया गया है। द्वितीय खण्ड में 'निर्ग्रन्थ' से लेकर 'गुलचीं' तक के दस ग्रन्थों का संग्रह है। इन रचनाओं के शीर्षक का विस्तार 'अ' से वर्णमाला के 'ह' अक्षर तक है। क्ष,त्र,ज्ञ से प्रारंभ होने वाले शीर्षक की रचनाएं भी हैं।

'वनफूल' ग्रन्थ की शुरुआत से पहले सेठिया जी का संदेश है, जो उनके जीवन की दुभरताओं का भान कराता है। वे लिखते हैं, 'वनफूल' आपके सामने है। यह अभी कुछ कुम्हलाया हुआ-सा है, क्योंकि निष्ठुरता की लू के झकोरे प्रबल थे और जीवन की भरी दुपहरी में यह लाया गया है।" पहली कविता 'कली-कली' की कोमल अभिव्यक्ति ने उनकी मानवीय संवेदनाओं को प्रबलता से दर्शा दिया। कविताओं में प्रेम की व्यथा, निराशा, विरोध, कहीं क्रोध तो कहीं संतोष का भाव उजागर होता है।

सरल शब्दों में बड़ी बात लिख दी गई हैं --

"जग है कारागार!
क्रोध- द्वेष की कटु जंजीरें,
मोह- जाल की दृढ़ प्राचीरें,
बन्दी रखती हैं मानव को, दे चिंता का भार।
जग है....."

1942 में प्रकाशित ग्रन्थ 'अग्निवीणा' की कविताओं में तेज है, बल है, प्रेरणा है और देश के प्रति उनके हृदय में बसी भक्ति व समर्पण की भावना है। और होती भी क्यों नहीं... उन्होंने अपने छात्रजीवन के अनेक वर्ष स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित किये हैं। 'अग्निवीणा' पर बीकानेर राज्य में इन पर राजद्रोह का मुक़दमा चला , जस्ट स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ही समाप्त हुआ। बाद में राजस्थान सरकार ने इनको स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी के रूप में सम्मानित भी किया, किंतु उन्होंने पेंशन लेने से इनकार कर दिया था। 'मेरा युग' 1947 ई0 में पहली बार प्रकाशित हुआ ,जिसके प्रवेश में सेठिया जी कहते हैं," मेरा युग आपका युग भी है। इस युग में एक और जहां महामानव बापू की पावन तपस्या फलीभूत हुई तो दूसरी और मानव पशुओं का नशंस ताण्डव भी इसकी ही छाती पर हुआ। चरमता और निम्नता दोनों की ही स्वाभाविक आकृतियों ने युग की खिड़की से झांक कर देखा है..." यह ग्रन्थ स्वतंत्रता, बापू व उनका गांधीवाद और उस समय की सामयिकता को समर्पित है। उनकी कविता "मन्दिर-मस्जिद" आज के परिप्रेक्ष्य में भी प्रासंगिक प्रतीत होती है। विनोबा, माउंटबेटन, जयप्रकाश, बापू का फ्यूहरर को पत्र, दो कलंक - जिसमें सालाजर, हिटलर और चर्चिल विषय-वस्तु हैं, हैदराबाद और एशिया इत्यादि ऐसी कविताएं हैं जो पाठकों को साहित्य के माध्यम से इतिहास का मर्म समझा देती हैं। 1948 में जब देशी रियासतों का एकीकरण करके राजस्थान बनाया था तब माउंट आबू राजस्थान में शामिल नहीं था। वह गुजरात को दे दिया गया था। सेठिया जी ने इसके विरोध में आंदोलन प्रारंभ किया और 1956 में उन्हें सफलता प्राप्त हुई। "खण्डित राजस्थान" कविता में उनका आक्रोश एक एक शब्द से छलक रहा है। इस ग्रन्थ की 'नोआखाली' कविता ने स्वयं राष्ट्रिपता महात्मा गांधी को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने सेठिया जी को अपने हाथों से आशीर्वचन लिखकर भेजे थे। अपने ग्रन्थ "आज हिमालय बोला" के लिए वे कहते हैं कि, "क्षमा कायरता का पर्यायवाची है, आक्रामक पड़ोसी कि इस भ्रांत धारणा को अगर आने वाली पीढ़ी संशोधित कर सकी तो मूक हिमालय के बोलने की मेरी कल्पना निस्संदेह सत्य बन जाएगी।" इस संग्रह में "जननी की जय बोल", 'प्रयाण गीत', 'मोरचे का गीत!', 'विजय का गीत', 'अपना शीश चढ़ाओ तो' जैसी ओजपूर्ण रचनाएं अनायास ही पाठकों के मन में राष्ट्रप्रेम की लौ सुलगा देती हैं। इनमें चीन के ऊपर तंज कहती रचनाओं 'भ्रांत चीन', 'चंगेजिज्म', 'सिपाही का गीत', 'बर्बर चीनी' इत्यादि में 1962 के भारत-चीन युद्ध और चीन के दोगलेपन के प्रति रोष स्पष्ट झलकता है। समग्र एक का अंतिम ग्रंथ है "मर्म जो 1971 में प्रकाशित हुआ था , जिसके लिए स्वयं सेठिया जी लिखते हैं"-

अथ-इति मर्म मर्मज्ञों के लिए है
अल्पज्ञों और सर्वज्ञों के लिए नहीं।"

और सच में ऐसे समझने के लिए मर्मज्ञ होना आवश्यक है चंद शब्दों में महत्त बात रखी गई है जैसे अंजुलि में सागर भर लिया हो। इस ग्रंथ की किसी भी कविता में 9 से अधिक पंक्तियां नहीं है।कुछ कविताएं तो मात्र दो-दो पंक्तियों की ही हैं। इन कविताओं से प्रभावित होकर डॉक्टर हरिवंश राय बच्चन ने लिखा था, "आपकी कविता क्या मंत्र ही हैं। ये छोटे-छोटे सूत्रों में जीवन का गहन रहस्य। बधाई !" कन्हैयालाल सेठिया जी ने उर्दू में भी 'ताजमहल' और 'गुलचीं' नाम से दो ग्रन्थों की रचना की। डॉ हरिवंश राय बच्चन ने लिखा था "रचना नाज़ुक और नफ़ीस है.... यह तो नया ही रंग दिखाया आपने !" सेठिया जी के शब्दों का जादू उर्दू भाषा में भी बरक़रार रहा। सेठिया जी की कविताओं के लिए रामधारी सिंह दिनकर जी ने लिखा है," आपकी कविताएं आनंद देती हैं और हिंदी के भविष्य के विषय में आशा और उत्साह। बधाई!" 1947 में आप "हरिजन सेवक संघ" की अखिल भारतीय कार्यसमिति के सदस्य नियुक्त हुए। जब चुरु जिले के हरिजनों ने धर्मांतरण करने का निर्णय लिया तो आपके प्रयासों ने उन्हें निरस्त करवा दिया। राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पत्र लिखे। राजस्थानी भाषा में रचनाधर्मिता को कायम रखा और 14 ग्रन्थों का सृजन किया। भारत सरकार के फिल्म डिवीजन ने "पदचाप: प्रज्ञा पुरुष की" के नाम से सेठिया जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर फिल्म बनाई, जिसे दूरदर्शन के माध्यम से देश भर में प्रदर्शित किया गया। उनका अमर गीत 'धरती धोरां री' राजस्थान के कण-कण में जैसे रचा बसा है।

बालकवि बैरागी ने उस गीत के संदर्भ में सेठिया जी के लिए लिखा था," वे अपनी अकेली एक रचना के दम पर शाश्वत और सनातन है।" इस गीत में न केवल सेठिया जी को अपितु पूरे राजस्थान को साहित्य में एक अलग ही स्थान प्रदान करवा दिया था। सेठिया जी को संयुक्त राज्य अमेरिका संसद काँग्रेस लाइब्रेरी द्वारा "20वीं सदी के जीवित दिग्गज" के रूप में सम्मानित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्मकार गौतम घोष ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी "धरती धोरां री -द लैंड ऑफ़ सैंड ड्यूनस", जिसे भारत सरकार की सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा सर्वोच्च गोल्डन लोटस सम्मान प्रदान किया गया था। यह मेरा परम सौभाग्य है कि आज उनकी 101 जयन्ती पर मैं महान् समग्र के दोनों खण्डों को अपने हाथों से सहेज रही हूं और स्व. कन्हैयालाल सेठिया जी जैसे परम् चिन्तक और साधक के बारे में लिख रही हूं। उस महान् जनकवि को शत् शत् नमन है।

-रचना सरन,
सदस्य -पश्चिम बंग हिंदी अकादमी, कोलकाता

राशिफल शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र दिन 11:59 तक, व्याघात योग दिन 1:43 तक, तैतिल करण प्रातः 9:59 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:31 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

ज्वालामुखी योग दिन 9:59 तक है। रवियोग 1:59 से आरम्भ होगा। आज छठ और कृत्तिका का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:47 तक, लाभ-अमृत 7:47 से 10:51 तक, शुभ 12:23 से 1:55 तक, चर 5:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:32

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटके कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 43 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ट्रम्प के प्रबल समर्थक, राजनीति में हिंसा के प्रवर्तक की गोली मारकर हत्या

मृत चार्ली कर्क का फेमस व्यंगात्मक कथन हुआ करता था, ''बंदूक से हुई कुछ हत्याएं जायज़ हैं''

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। अमेरिका में एक प्रमुख युवा अतिवादी दक्षिणपंथी कार्यकर्ता की हत्या ने पूरे देश को हिला दिया है। यह घटना दिखाती है कि डॉनल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिकी राजनीति कितनी विभाजित हो गई है और किस तरह गहरी कटुता और वैमनस्य की काली परत समाज में फैल चुकी है।

- कर्क की मृत्यु के बाद, ट्रंप ने उन्हें, अमेरिका का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया
- विश्व इस हत्या से व सम्मान से स्तब्ध है। यह सच है कि, अमेरिका की राजनीति प्रारंभ से हिंसा से रक्त रंजित रही है, तथा वहां के कई राष्ट्रपति गोली से मारे गये हैं। पर, समाज में इतनी कटुता कभी नहीं थी। जितनी अब ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पैदा हुई।

अमेरिका में हिंसा का बेकाबू फैलाव और पूरे तंत्र में इसका संक्रमण भारत के लिए भी सबक है। मतभेदों को इस हद तक नहीं बढ़ने देना चाहिए कि आपसी संबंध ही खतरे में पड़ जाएं।

चार्ली कर्क, जो ''मेक अमेरिका ग्रेट अगेन'' (मागा) विचारधारा के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थे, ने स्वयं अक्सर हिंसा की प्रशंसा की थी। उन्होंने तो यहां तक कहा था कि ''बंदूक से हुई कुछ हत्याएं जायज़ हैं'' कर्क डॉनल्ड ट्रंप और अप्रवासियों को प्रताड़ित करने वाले उनके सख्त कार्यक्रमों के सबसे बड़े समर्थक थे।

उनकी मौत के तुरंत बाद, डॉनल्ड ट्रंप ने स्वयं उन्हें अमेरिका का एक सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी प्रदान किया।

अमेरिका और उसकी राजनीति शुरू से ही हिंसा से भरी रही है। कई

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसआई भर्ती पेपरलीक प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर

जयपुर, 11 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में भर्ती रद्द करने के संबंध में एकलपीठ की ओर से दिए आदेश पर रोक लगाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई है। एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

एसएलपी में अधिवक्ता ऋषभ संचेती ने कहा कि हाईकोर्ट की खंडपीठ

- खंडपीठ के अपीलार्थी अमर सिंह व विक्रम पंवार की ओर से इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केविएट पेश किया गया।

ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए, चयनित अभ्यर्थियों को फील्ड ट्रेनिंग कराने की छूट दी है, जबकि फील्ड ट्रेनिंग में कुछ हद तक ट्रेनी

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान में पहली बार 55 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स ऑपरेशनल मोड में - वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लघु उद्योग भारती के ''आइडियोथॉन-2025'' में पुरस्कार प्रदान किये

- अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अमेरिका की तर्ज पर राजस्थान में विश्वस्तरीय इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप एवं फंडिंग प्लेटफार्म स्थापित करने के लिये भारत सरकार व राज्य सरकार समन्वय से काम करेंगे।
- आइडियोथॉन में जयपुर के तन्मय व्यास और चारु वैष्णव के स्टार्टअप को प्रथम पुरस्कार मिला। रेल मंत्री ने इनके ट्रेन स्पीड कंट्रोल प्रोटोटाइप के रेलवे में परीक्षण के निर्देश दिये।

जयपुर, 11 सितम्बर। रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जयपुर में लघु उद्योग भारती के कौशल केंद्र में जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में 5 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के ज़रिए युवाओं को आधुनिक तकनीकों में दक्ष कर बेहतर प्लेसमेंट के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। वे लघु उद्योग भारती के सोहन सिंह स्मृति कौशल केंद्र पर आयोजित ''आइडियोथॉन-2025'' के पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका की तर्ज पर राजस्थान में विश्व स्तरीय इनक्यूबेशन, मेंटरशिप और फंडिंग प्लेटफॉर्म स्थापित करने की दिशा में भारत सरकार और राज्य सरकार परस्पर समन्वय से कार्य करेंगी।

वैष्णव ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग अब देश में ही हो रही है, जिससे यह सेक्टर 11.5 लाख करोड़ का बन चुका है और 25 लाख लोगों को रोजगार दे रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में पहली बार 55 हजार करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स एक साथ ऑपरेशनल मोड में हैं। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रकाशचंद्र ने कहा कि उद्यमशीलता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए संगठन स्किल्ड वर्क फोर्स तैयार कर रहा है। राज्य के उद्योग मंत्री

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महिला एईएन सहित पांच कर्मचारी 3 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर एसीबी टीम ने गुरुवार को धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में छापा मारकर रंगे हाथ पकड़ा

- एसीबी एडी-एसपी के अनुसार, धौलपुर नगर परिषद के आयुक्त अशोक शर्मा की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है। आयुक्त से पूछताछ की जा रही है।

भरतपुर, 11 सितम्बर (निसं)। धौलपुर जिले में भरतपुर एसीबी की टीम ने धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। महिला एईएन समेत पांच कर्मचारियों को तीन लाख दस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। ठेकेदार से बिल पास कराने के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी।

भरतपुर एसीबी के एडिशनल एसपी अमित सिंह ने बताया कि राजकीय संवेदक ने एसीबी कार्यालय भरतपुर में एक शिकायत दर्ज कराई थी। परिवादी ने आरोप लगाया था कि धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में कार्यरत एईएन प्रिया, वरिष्ठ सहायक भरत कुमार, वरिष्ठ सहायक नीरज, संविदाकर्मी हरेन्द्र और चालक देवेन्द्र बरसात के पानी निकासी का बिल पास

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ब्लूटूथ से नकल के द्वारा चयनित दो कनिष्ठ लिपिक गिरफ्तार

जयपुर, 11 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए दो कनिष्ठ लिपिकों को गिरफ्तार किया है, जो कनिष्ठ न्यायिक, सहायक लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पदों पर सीधी

- दोनों ही गत 6-7 माह से गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे थे।

भर्ती की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 में ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री ने सेवा पखवाड़े को बताया ''विकसित भारत 2047'' का आधार

भाजपा कार्यशाला में प्रदेश प्रभारी अग्रवाल की नाराज़गी ने बदला माहौल, वे बिना मंच साझा किए लौटे

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान हर बूथ पर वृक्षारोपण किया जायेगा तथा शहरी व ग्रामीण प्रशासन शिविर व सहकारिता सदस्यता अभियान के माध्यम से जनता के साथ जुड़ाव और गहरा किया जायेगा।

जयपुर, 11 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा पखवाड़े को लेकर जयपुर के दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन को जमीन पर उतारने का अभियान है। राज्य सरकार ने इस वर्ष 11 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है और सेवा पखवाड़े के दौरान हर बूथ पर वृक्षारोपण किया जाएगा। धर्मांतरण बिल पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''कांग्रेसी नेता सदन में बोलने की बजाय सोशल मीडिया पर बयानबाजी करते हैं। जाति और तुष्टिकरण की राजनीति अब नहीं चलेगी।'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं का आ ान किया कि वे सेवा पखवाड़े को केवल एक कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जनसेवा और संगठन विस्तार का अवसर समझें।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोनिया गांधी पर मुकदमा दर्ज करने की याचिका खारिज

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली एक याचिका गुरुवार खारिज कर दी।

यह याचिका गांधी के कथित तौर पर भारत की नागरिकता लेने से करीब तीन साल पहले यहां की मतदाता सूची में नाम शामिल होने के आरोप से

- याचिका में कथित तौर पर भारत की नागरिकता लेने से तीन साल पहले मतदाता सूची में नाम शामिल होने का आरोप था।

संबंधित है। इसमें उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश देने की गुहार लगाई गई थी।

राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता से कहा, ''हमने शिकायत खारिज कर दी है।''

अदालत ने विकास त्रिपाठी की याचिका पर सुनवाई के बाद बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पवन नारंग की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कांग्रेस ने भाजपा व प्र.मंत्री मोदी पर व्यंगों की बौछार की

'मोदी कार कंपनियों पर दबाव डाल रहे हैं ''थैंक यू मोदी'' के पोस्टर लगाने के लिए'

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्र.मंत्री और केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 सितंबर। भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा सभी कार और दोपहिया वाहन निर्माताओं को निर्देश दिया गया है कि वे अपने सभी डीलरशिप्स पर जीएसटी दरों में हुए बदलाव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर वाले पोस्टर लगाएं। मंत्रालय के इस आदेश की आज केरल कांग्रेस समिति (के पी सी सी) ने तीखी आलोचना की।

- कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि वाहन निर्माता कंपनियों के एग्ज़ीक्युटिव्स ने पुष्टि की है कि हैवी इण्डस्ट्री मिनिस्ट्री ने, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के मार्फत यह आदेश भिजवाया और कहा, पोस्टर में मोदी का फोटो लगाना अनिवार्य है।
- एग्ज़ीक्युटिव ने कहा, पहले कभी ऐसा नहीं हुआ इसलिए हम पोस्टर का डिज़ाइन मंत्रालय को भिजवा रहे हैं।
- सूत्रों के अनुसार, इस कवायद पर ऑटोमोबाइल सैक्टर का 20 से 30 करोड़ रुपया खर्च होगा।

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के जवाब में केपीसीसी ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि भारी उद्योग मंत्रालय ने ऑटोमोबाइल कंपनियों को ऐसे पोस्टर लगाने के निर्देश दिए हैं।

के पी सी सी ने तंज कसते हुए लिखा, ''मोदी ने कार कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे पुरानी और नई कीमतों की सूची के साथ उनकी फोटो लगाएं। हम सभी कंपनियों से अनुरोध करते हैं कि वे मोदीजी की फोटो बाईं ओर लगाएं, जो पहले के उच्च जीएसटी दरों को लागू करने के लिए ज़िम्मेदार थे। जूते और अंडरगारमेंट्स बनाने वाली कंपनियां भी आदेश का इंतजार किए बिना अपने उत्पादों पर मोदी की फोटो लगाने की योजना बना रही हैं।''

भारी उद्योग मंत्रालय ने यह निर्देश भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माताओं के संगठन के माध्यम से जारी किया है, जिसमें यह भी कहा गया है कि पोस्टर में प्रधानमंत्री की तस्वीर अवश्य हो।

बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, कई वाहन कंपनियों के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वे अब पोस्टरों को डिजाइन कर रहे हैं और इन्हें मंत्रालय को मंजूरी के लिए भेज रहे हैं।

एक उद्योग एक्जीक्युटिव ने कहा, ''इस तरह की गतिविधि का कोई पूर्व उदाहरण नहीं है, इसलिए हमें यह देखना होगा कि क्या केवल मुख्य पोस्टर, जो अंग्रेज़ी में होगा, की मंजूरी लेनी है या हर क्षेत्रीय भाषा के पोस्टर की भी।''

इस कवायद पर ऑटोमोबाइल सैक्टर को लगभग 20-30 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पोस्टरों को सप्ताह के अंत तक सभी डीलरशिप्स पर लगा दिया जाएगा, लेकिन लग्जरी कार कंपनियों को इस निर्देश से छूट दी गई है। मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टोयोटा और किया जैसी कंपनियों ने पहले ही पुष्टि की है कि वे जीएसटी दर में हुई कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देंगे।

जीएसटी परिषद ने छोटी कारों (4 मीटर से कम, 1200 सीसी पेट्रोल या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के लेख पर कांग्रेस का कटाक्ष

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुरुवार को देश के कई अखबारों में प्रकाशित लेख, जिसमें उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भागवत के 75वें जन्मदिन पर मोदी ने उनका जो प्रशस्ति गान किया है वह संघ नेतृत्व का समर्थन पाने की हताशा भरी कोशिश है।

उनकी प्रशंसा की, को कांग्रेस ने संघ नेतृत्व की कृपा पाने की मोदी द्वारा की गई कोशिश के रूप में देखा है।

कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आरएसएस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केदारनाथ, 2500 रुपये में वीआईपी दर्शन का लंबा इंतजार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। ''वीआईपी लाइन के लिए 2,500 रुपये दो, या छह घंटे और इंतजार करो।'' केदारनाथ धाम में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर

- भारत के सभी बड़े हिंदू मंदिरों की यही स्थिति है, चाहे वह बैद्यनाथ हो, द्वारका हो या हरिद्वार। एक टैंपल चार्टर की मांग की जा रही है।

निकिता गुप्ता को यह दो टूक विकल्प दिया गया।

अपनी तीर्थ यात्रा के अंत तक, उनकी इस तथाकथित ''आध्यात्मिक यात्रा'' पर लगभग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी ने भागवत को जन्मदिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

- उन्होंने कहा, भागवत ने समता-समरता की भावना को सशक्त करने में पूरा जीवन समर्पित किया।

मोदी ने देश और समाज के प्रति भागवत के सेवा कार्य का उल्लेख करते हुए उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बधाई संदेश में कहा, ''भागवत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र से प्रेरित होकर समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।''

उन्होंने कहा, ''मां भारती की सेवा में सदैव तत्पर मोहन जी के 75वें जन्मदिन के विशेष अवसर पर मैंने उनके प्रेरक व्यक्तित्व को लेकर अपनी भावनाएं रखी हैं। मैं उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया में डॉ. भागवत को लेकर एक लेख लिख कर संघ प्रमुख से अपने गहरे संबंधों का उल्लेख किया है।

‘टैरिफ का सॉल्यूशन नहीं निकला तो एक साल में 70 फीसदी तक यार्न इंडस्ट्री खत्म हो जायेगी’

वूलन और यार्न फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर, एक से सवा लाख मजदूर और भेड़पालकों के सामने भी संकट खड़ा हुआ

- **कारोबारियों का कहना है कि टैरिफ के कारण प्रदेश में 1200 करोड़ की इंडस्ट्री का आकार घटना शुरू हो गया है**
- **बीकानेर सहित राजस्थान में करीब 350 यूनिट्स में भेड़ के बालों से धागा बनाने का काम होता है, इसी धागे से कालीन तैयार होता है, 50 फीसदी टैरिफ के बाद अमेरिका से कालीन के ऑर्डर लगभग बंद हो गए हैं**

बीकानेर, (निसं)। अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ से बीकानेर सहित राजस्थान की वूलन और यार्न (सूत) इंडस्ट्री कमजोर पड़ गई है। फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर हैं। एक से सवा लाख मजदूर और भेड़पालकों के सामने भी रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

कारोबारियों का कहना है कि टैरिफ के कारण प्रदेश में 1200 करोड़ की इंडस्ट्री का आकार घटना शुरू हो गया है। 150 से 200 करोड़ के ऑर्डर होल्ड पर चले गए हैं। अगर सॉल्यूशन नहीं निकला तो एक साल के भीतर इंडस्ट्री 70 फीसदी तक खत्म हो जाएगी। वूलन इंडस्ट्री एसोसिएशन के अनुसार टैरिफ के बाद राजस्थान में अगर वित्तीय सहायता नहीं मिली तो करीब एक लाख लोग बेरोजगार हो जाएंगे। राजस्थान की वूलन और यार्न इंडस्ट्री की 70 फीसदी खपत अमेरिका में होती है। जिस तरह से भारतीय घरों में टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन जरूरी है, उसी तरह अमेरिका में कालीन जरूरी सामान है। वहां लोग इसे फर्श और दीवारों पर लगाते हैं।

राजस्थान वूलन इंडस्ट्री एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल कल्ला ने बताया कि बीकानेर, ब्यावर और भीलवाड़ा सहित प्रदेशभर में सवा लाख लोग है, जो वूलन और यार्न इंडस्ट्री से जुड़े हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या मजदूरों की है। भेड़ मालिकों की भी बड़ी तादाद है। अमेरिकी टैरिफ का असर सिर्फ फैक्ट्री मालिक पर नहीं पड़ रहा है। लेबर के लिए रोजी-रोटी का संकट आ जाएगा। अगर ऑर्डर 30 प्रतिशत रहेगा, तो 70 प्रतिशत लेबर भी कम हो जाएगी। बीकानेर में हर रोज 2 से ढाई लाख किलो यार्न बनती है। अब ये आधा हो गया है। इसे भी स्टॉक किया जा रहा है। फिलहाल लेबर एक्सेस है, इसलिए उसे रोक कर काम करवा रहे हैं।

बीकानेर सहित राजस्थान में करीब 350 यूनिट्स में भेड़ के बालों से धागा बनाने का काम होता है। इसी धागे से कालीन तैयार होता है। 50 फीसदी टैरिफ के बाद अमेरिका से कालीन के ऑर्डर लगभग बंद हो गए हैं। इससे उत्तर प्रदेश के भदोही सहित देशभर में कालीन उद्योग संकट में आ गया है। इसी का सीधा असर बीकानेर और ब्यावर में भी दिखाई दे रहा है। भारतीय सामानों पर 27 अगस्त को अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। इसका असर अब उन भारतीय कारोबार पर दिखने लगा है, जिनका माल अमेरिका एक्सपोर्ट होता था। टैरिफ लगने से भारत के प्रोडक्ट महंगे हो गए। लिहाजा अमेरिकी बाजार में उनकी डिमांड कम होना तय है। एक्सपोर्ट रुकने से प्रोडक्शन घटेगा, इससे रोजगार पर संकट आ रहा है।

बीकानेर में धागा बनाने की फैक्ट्री के संचालक संजय राठी का कहना है कि पिछले एक महीने से हम सिर्फ धागा बना रहे हैं। इसका एक्सपोर्ट नहीं कर रहे। पहले बना धागा अगर एक्सपोर्ट नहीं होगा तो हम किसके लिए बनाएंगे। बीकानेर की अधिकांश धागा बनाने वाली फैक्ट्रियां जैसे-तैसे काम तो कर रही हैं, लेकिन आगे माल नहीं जा रहा। ऐसे में कब तक इसका स्टॉक किया जा सकता है। हालात देखते हुए आने वाले दिनों में धागा बनाने का काम बंद करना पड़ सकता है। केंद्र सरकार अगर वित्तीय सहायता नहीं देगी, तो ये उद्योग बंद हो सकता है। वूलन और यार्न फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर बिहार व अन्य प्रदेशों से आते हैं। फैक्टरी मालिक ऑर्डर नहीं होते हुए भी काम करवा रहे हैं, ताकि मजदूर यहीं रहें। उन्हें डर है कि अगर ये मजदूर चले गए तो वापस नहीं आएंगे। अगर टैरिफ वार खत्म होने के बाद कालीन उद्योग के अच्छे दिन आ भी गए तो उन्हें मजदूर नहीं मिलेगा। इस डर से फिलहाल स्टॉक तो बढ़ाया जा रहा है, लेकिन एक्सपोर्ट नहीं होने से स्टॉक जस का तस पड़ा है।

वूलन इंडस्ट्री से जुड़े जय सेठिया का कहना है कि कालीन बनाने वाले अधिकांश ऑर्डर होल्ड पर आ गए हैं। ऐसे में कालीन नहीं बन रहे हैं। इसके कारण धागे के ऑर्डर भी होल्ड पर आ गए हैं। बीकानेर की 300 से ज्यादा फैक्ट्रियों में 150 से 200 करोड़ के ऑर्डर होल्ड पर हैं। धीरे-धीरे यूनिट्स बंद हो रही हैं। टैरिफ लगने से पहले दो-तीन महीने के ऑर्डर एडवांस चल रहे थे, लेकिन अब धीरे-धीरे रुक गए हैं। सिर्फ लेबर को बनाए रखने के लिए काम करवा रहे हैं। ये भी कब तक चलेगा।

एसोसिएशन अध्यक्ष कमल कल्ला का कहना है कि व्यापारी और फैक्टरी मालिक एक महीने से लेबर से काम करवा रहे हैं, लेकिन ऑर्डर नहीं है। अब कुछ दिन और बिना काम लेबर को रखा जा सकता है। ये लेबर एक बार चली गई तो वापस नहीं आएगी। फिर ऑर्डर होंगे तो भी काम मुश्किल होगा।

वूलन इंडस्ट्री से जुड़े कारोबारी बृजमोहन चांडक का कहना है कि अमेरिका में घर बड़ा होता है, जिससे कालीन भी बड़ा लगता है। भारत की रेट अमेरिका के हिसाब से किफायती है, लेकिन टैरिफ के बाद कीमतें बढ़ गई हैं, इससे माल का रुकना तय है। इसका सीधा असर फैक्ट्रियों पर पड़ रहा है और हमारी रफ्तार धीमी पड़ कर जल्द ही यार्न इंडस्ट्री खत्म हो जाएगी।

पॉक्सो के दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में पॉक्सो कोर्ट ने दोषी को आजीवन उम्रकैद की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार अक्टूबर 2024 में दोषी सुखपाल जाट सात साल की बच्ची को बहला फुसला कर ले गया था। वहां पहले उसकी अश्लील फोटो लिए फिर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बच्ची घर आई तो गुमसुम रहने लगी। मां ने प्यार से पूछा तो बच्ची ने हेवानीयत के बारे में खुलासा कर दिया। पुलिस में मामला दर्ज कराया गया। दोषी सुखपाल जाट को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय जिला परिषद, कोटा
(महात्मा गांधी नरेगा)
सी.ए.डी. सर्किल, कोटा (राजस्थान), फोन. नं. 0744-2503588, ई-मेल : pd-kot-rj@nic.in
क्रमांक :- एफ/स्टोर/2025-26/117 दिनांक :- 09/09/2025

बोली आमंत्रण सूचना

कार्यालय जिला परिषद कोटा (महात्मा गांधी नरेगा प्रकोष्ठ) में लेखन सामग्री (स्टेशनरी) क्रय करने हेतु निविदा दिनांक 15.09.2025 को दोपहर 03:00 PM तक आमन्त्रित की जाती है। जो इसी दिनांक को सांय 05:00 PM पर खोली जावेगी।
बोली के क्रम में अन्य विवरण लोक उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। NIB कोड -ZKT2526A0085
UBN कोड - ZKT2526GSOE00474
अति० जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद कोटा
राज.संवाद/सी/25/9767

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कॉर्पोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सीन)-यू40109आरजे2000एसजीसी016483 पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस, जोधपुर-342003, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.) फोन न. :0291-2742336 फैक्स न. : 0291-2745259
ईमेल : secssjodhpur@gmail.com, वेबसाईट : http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl
No. : Jd.VVNL/SE(CSS)/JU/XEN(RDSS-I)/D. Dated :

ई-निविदा सूचना

टी.एन.टी.डब्लू.-782 (UBN-JVV2526SLOB00502) के माध्यम से विद्युत वितरण क्षेत्र की पुर्नोत्थान संशोधित सुधार- बद्ध परिणाम-आधारित योजना के तहत जोधपुर विद्युत वितरण निगम लि. को परियोजना प्रबंधन में सहायता और समर्थन के लिए एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) की नियुक्ति के लिए पात्र बोलीदाताओं से दो भाग (तकनीकी-वाणिज्यिक एवं मूल्य बोली) में ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्य की अनुमानित लागत 34.88 करोड़ रुपये है।
निविदा संख्या निविदा लागत, बोली सुरक्षा राशि, निविदा खोलने की तिथि आदि के बारे में विवरण वेबसाइट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, http://sppp.rajasthan.gov पर उपलब्ध हैं। बोलीदाताओं से, उनके अपने हित में, वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन बोली जमा करने से पहले निविदा दस्तावेजों को बहुत ध्यान से पढ़ने का अनुरोध किया जाता है।
नोट : इच्छुक बोलीदाता कृपया ध्यान दें कि भविष्य में उपरोक्त निविदाओं के लिए संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/तिथि विस्तार आदि के संबंध में कोई अन्य सूचना केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर उपलब्ध होगी।
राज.संवाद/सी/25/9734 अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.)
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

80 लाख का डोडा-चूरा पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। आईपीएस माधव उपाध्याय सीओ सदर के नेतृत्व ने मंगरोप थाना पुलिस ने 80 लाख रूपये का डोडा-चूरा पकड़ा। वहीं एक लग्जरी कार जब्त करने में सफलता हासिल की है। आईपीएस उपाध्याय ने बताया कि भीलवाड़ा-चित्तौड़ राजमार्ग पर कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। एक स्कॉर्पियो वाहन को भी किया जब्त किया है। स्कॉर्पियो वाहन से 24 कट्टे में भरा 4 क्विंटल 46 किलो डोडा-चूरा जब्त किया गया। तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR
File No. 1742-1747 **Notice Inviting Bid** Date: 01.09.2025
NIB CODE PWD2526A3041 and UBN is: PWD2526WSOB11420
NIB CODE PWD2526A3041 and UBN is: PWD2526WSOB11423
Bids For NIT No. 07/2025-26 Mise. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 07.09.2025 11.00 AM to Date 14.09.2025 upto 6.00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 50.05 Lacs.
(Naresh chand Meena)
Executive Engineer
PWD Division Dholpur
DIPR/C/13149/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड बीकानेर
क्रमांक-1560 दिनांक-03.09.2025
Short Term Notice Inviting Bid: 17/2025-26
Bid for "Construction of RUB at 231/9-10 Lalgarh Bikaner (Risk and Cost)" are invited from interested bidders from 03.09.2025 (09.30 AM) to 13.09.2025 (06.00 PM) & Open date 15.09.2025 (11.00 AM), other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 155.92 Lakh.
UBN NO. PWD2526WSOB11519
Executive Engineer
PWD City Division, Bikaner
DIPR/C/13126/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत खण्ड उदयपुर
क्रमांक-टीएस/डी-10 दिनांक-29.08.2025
निविदा सूचना संख्या-10/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युत कार्य (4) अनुमानित राशि 205.75 लाख में दोष निवारण एवं उनके सुधार (मय डीएलपी अवधि) शर्त सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग में उपर्युक्त श्रेणी एवं उप श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑनलाईन निर्धारित प्रपत्र में निविदा दिनांक 16.09.2025 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp व www.eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल http://sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर अपलोड किये जायेंगे।
NIB CODE: PWD2526A3023, UBN NO. PWD2526WSOB11368, 70, 73, 76
अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड उदयपुर
DIPR/C/12949/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत्त जयपुर
क्रमांक-1933 दिनांक-29.08.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26
UBN NO. WRD2526WSOB00920, NIB CODE NO. WRD2526A0378
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य Rehabilitation of New Tank Maheshwa Irrigation Project District: Karauli जिसकी अनुमानित लागत 166.01 लाख हे। वित्त विभाग के नवीन नियमों के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 29.08.2025 से दिनांक 15.09.2025 को 6.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड की जा सक्ती है। निविदा की तकनिकी बिड दिनांक 16.09.2025 को दोपहर 3.00 बजे खोली जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण संबंधित वेबसाईट www.waterresources.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in से देख जा सकती है।
अधीक्षण अभियंता
जल संसाधन वृत्त जयपुर
DIPR/C/12943/2025

कार्यालय नगर परिषद, झुन्झुनू (राज.)
क्रमांक :-एफ(5)( )विकास/2025-26/10247 दिनांक :- 04.09.2025
ई-निविदा संख्या 10/2025-26
(NIB Code- DLB2526A5467)
कुल राशि - 25.49 लाख

निविदा की कुल लागत (लाखो में)	2549000/-
कुल धरोहर राशि 2 प्रतिशत (रूपये में)	50980/-
कुल धरोहर राशि 1/2 प्रतिशत (रूपये में)	12745/-
निविदा डाउनलोड करने की तिथि	05.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 15.09.2025 प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा अपलोड करने की तिथि	05.08.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 15.09.2025 प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	15.09.2025 दोपहर 2.00 बजे

निविदा सूचना इंटरनेट साईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है।
आयुक्त
नगर परिषद झुन्झुनू
राज.संवाद/सी/25/9687

राजस्थान सरकार
कार्यालय राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग, जयपुर
सार्वजनिक विज्ञप्ति
माननीय उच्चतम न्यायालय में योजित रिट पिटीशिन (सिविल) संख्या 278/2022 सुरेश महाजन बनाम मध्य प्रदेश राज्य एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 10.05.2022 की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के आदेश क्रमांक एफ11()/रा.रा.पि.वर्ग (राजनैतिक)/बीसी/सान्याअवि/2025/33822 राजकाज रेफरेंस नं. 13616326 दिनांक 09.05.2025 द्वारा राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग की पिछड़ेपन की प्रकृति एवं उसके निहितार्थो की अनुभवजन्य तरीके से गहन जाच/अध्ययन के आधार पर पंचायती राज संस्थाओ एवं नगरीय निकाय संस्थाओ के निर्वाचनों में अन्य पिछडा वर्ग के आरक्षण के संबंधि में अनुशंषाएं प्रस्तुत किये जाने हेतु श्री मदन लाल भाटी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। गठनोपरांत आयोग द्वारा इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान द्वितीय तल, जेएल एन मार्ग जयपुर में स्थित कार्यालय में अपना कार्य शुरू कर दिया गया है।
राज्य के जन साधारण/अन्य पिछ्डा वर्ग के कल्याण हेतु कार्यरत संस्थाओं/हितबद्ध व्यक्तियों से आयोग की अपील है कि राज्य के अन्य पिछ्डा वर्ग के पिछ्डेपन के अध्ययन के संबंध में अपना प्रत्यावेदन/सुझाव आयोग की E-MAIL ID obccommission25gmail.com पर अथवा जरिये डाक या किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है।
(अशोक कुमार जैन)
सचिव (सलाहकार)
राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग जयपुर (राजस्थान)
DIPR/C/13223/2025

डीडवाना कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के वाहनों को कुर्क करने का आदेश

- **आठ साल से अदालत की आदेशों की पालना नहीं करने पर कोर्ट ने फैसला सुनाया**
- **वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले की आठ साल से पालना नहीं की जा रही थी, कोर्ट ने इसे न्यायालय की अवमानना माना**

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना के अपर जिला न्यायाधीश ने बड़ा फैसला सुनाते हुए डीडवाना जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने वक्फ से जुड़े एक मामले में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 8 सालों से बार बार जारी कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं करने पर फैसला दिया है। न्यायालय ने प्रशासनिक अधिकारियों को कोर्ट की अवमानना का दोषी मानते हुए तीनों अधिकारियों की गाड़ियों को कुर्क करने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने अपने फैसले में जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार तीनों को ही लापरवाह अधिकारी बताया है। कोर्ट ने कहा कि न्यायालय में 8 सालों से लंबित प्रकरण में बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासनिक अधिकारी केवल खानापूर्ति कर अगली तारीख प्राप्त कर मामले को टरकाने का प्रयास कर रहे हैं और अपने कर्तव्य से विमुख हो रहे हैं। यह अधिकारी जान बुझकर इजराय की पालना नहीं कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन के इन लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती।

अपर सेशन न्यायाधीश ने वक्फ कमेटी डीडवाना बनाम राज्य सरकार के मामले में दायर इजराय याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा है कि राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण जयपुर ने सिविल वाद संख्या 43/2003 में 21 दिसंबर 2015 को फैसला सुनाते हुए यह आदेश दिया था कि गजट नोटिफिकेशन में डीडवाना में वर्णित भूमि कब्रिस्तान की वक्फ जायदाद है तथा गजट नोटिफिकेशन के अनुसार जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी व तहसीलदार इस कब्रिस्तान की भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करें तथा कब्रिस्तान की भूमि में किसी प्रकार की तब्दील करने व उसको किसी को अंतरण करने के लिए वह शाश्वत कल तक विरत रहेंगे।

उक्त निर्णय की पालना के लिए अपर जिला न्यायाधीश की अदालत में वर्ष 2016 में इजराय याचिका दायर की गई थी। इस याचिका के बाद न्यायालय ने राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण के निर्णय की पालना के लिए उपखंड अधिकारी, जिला कलेक्टर व तहसीलदार को बार-बार पत्र लिखे, वहीं 4 जून 2025 को जिला कलक्टर डीडवाना- कुचामन को उक्त आदेश की क्रियान्विति के लिए तहरीर भी जारी की थी, वहीं 7 जुलाई 2025 को उक्त आदेश की पालना हेतु हुकमनामा भी जारी किया गया था। इसके बावजूद डीडवाना-कुचामन प्रशासन की ओर से इजराय की पालना में कोई कार्य नहीं किया गया, जबकि इस न्यायालय के आदेश समीचीन है। कोर्ट ने माना कि ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्रकरण में पारित निर्णय की प्रशासनिक अधिकारी क्रियान्वित करना ही नहीं चाहते, जबकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इजराय प्रकरणों को 6 माह में निस्तारित करने का आदेश है। साथ ही हस्तगत प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायालय के लक्षित प्रकरणों के संबंध में राष्ट्रीय कार्य योजना (चतुर्थ) में भी यह प्रकरण अपना स्थान रखता है।

यह प्रकरण भी 8 सालों से लंबित है और बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। इस पर कोर्ट ने इस मामले में जारी हुकुम नामों की पालना न करने को अवमानना की श्रेणी में मानते हुए कहा कि प्रशासन के लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती, लिहाजा न्यायालय ने इजरायल की पुष्टि के लिए धारा 51 सीपीसी सपठित आदेश 21 नियम 32 के तहत डिक्री की पालना के लिए जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन, उपखंड अधिकारी डीडवाना और तहसीलदार डीडवाना के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया।

सरपंच पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। सांगवा सरपंच उदयराम गाडरी और उनके परिजनों पर हुए हमले के विरोध में ग्रामीण गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ कठोर सजा दिलाने की मांग की है। सरपंच उदयराम गाडरी से जबरदस्ती पट्टा बनवाने के मामले में उन पर हुए जानलेवा हमला कर दिया। यहां तक कि जिस तरह से उन पर गैंग बनाकर हमला किया गया उससे लगता है कि आरोपियों को कानून व्यवस्था का किसी तरह खौफ नहीं है। अगर ग्रामीण बीच में नहीं आते तो हमलावर सरपंच उदयराम गाडरी की हत्या तक कर सकते थे। सरपंच गाडरी के परिवार की महिलाओं के साथ भी बदसलूकी की गई है।

एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड मामला : बेटे और बेटियों को पेंशन नहीं दी

- **भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत ने 3 सितंबर को हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट आदेश के पौने दो साल बाद भी उसके बेटे और बेटियों को पेंशन नहीं दी गई है। इस पर भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत ने 3 सितंबर को हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। उनके वकील का कहना है कि वर्तमान जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस भंवरी देवी को मृत मानने को तैयार नहीं है। याचिका पर 9 सितंबर को जस्टिस रेखा बोराणा की कोर्ट ने सुनवाई करते हुए जोधपुर सीएमएचओ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने 7 दिन के अंदर आवश्यक कागजात दाखिल करने के निर्देश दिए है। इसके बाद सुनवाई की अगली तारीख तय की जाएगी।

सरकार ने भंवरी देवी के बेटे साहिल को अनुकंपा पर नौकरी दी थी, लेकिन मृत्यु प्रमाण पत्र न होने के कारण पेंशन चालू नहीं की गई थी। याचिकाकर्ता भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत की ओर से वकील यशपाल खिलेरी ने याचिका लगाई थी। शिकायत अनुसार जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस ने भंवरी देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं होने का बहाना बनाकर मामले को अटका रखा है। तत्कालीन जोधपुर सीएमएचओ ने ही 16 जनवरी 2012 को आदेश जारी कर भंवरी देवी को मृत मानकर उसे सेवा से पृथक करने का आदेश जारी किया था। इसके अलावा चिकित्सा विभाग ने 28 फरवरी 2012 को अनुकंपा नियुक्ति आदेश जारी कर भंवरी देवी के बेटे साहिल को अनुकंपा नियुक्ति भी दी थी।

एडवोकेट खिलेरी के अनुसार वर्तमान जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस भंवरी देवी को मृत मानने को तैयार नहीं है और न ही अधीनस्थ कोर्ट से भंवरी देवी की मूल सेवा पुस्तिका लेने के लिए कोई कार्रवाई की है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार एक तरफ भंवरी देवी की हत्या का केस ट्रायल कोर्ट में साल 2011 से चल रहा है। दूसरी तरफ मृत्यु नहीं मानकर पेंशन और सेवानिवृत्ति परिलाभ नहीं देना चिकित्सा विभाग की गंभीर असंवेदनशीलता है।

कुत्ते ने एक किमी की दूरी में तीन साल के बच्चे सहित चार जनों को काटा

कुत्ते (श्वान) ने बच्चे के होंठ को बुरी तरह नोच डाला, जिससे बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है

- **घायल हुए सभी लोगों को पहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के नयागांव उपखंड क्षेत्र के पहाड़ा और करावाडा ग्राम पंचायत में कुत्ते (श्वान) ने एक किलोमीटर के दायरे में चार लोगों पर हमला कर उन्हें काट लिया, जिनमें एक 3 साल का बच्चा भी शामिल है। बच्चे के होंठ को कुत्ते ने बुरी तरह नोच डाला जिससे उसकी हालत गंभीर है। 11 वीं कक्षा के एक छात्र पर भी कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने छात्र के हाथ और पैर पर काट लिया। कुत्ते के हमले में घायल हुए सभी लोगों को पहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया और उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आवारा कुत्ते को पकड़ने की मांग की है।

पहाड़ा पीएचसी के चिकित्साधिकारी रवि कुमार ने बताया कि दोपहर में कुत्ते ने सबसे पहले रितिका (18) को काटा, जिसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने उसे बचाया। इसके बाद कुत्ते ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मुख्य गेट के पास कक्षा 11वीं के छात्र आनंद डामोर पर हमला कर दिया, जिसे अध्यापकों और विद्यार्थियों ने मिलकर बचाया। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पहाड़ा अस्पताल ले जाया गया। पहाड़ा से करीब एक किलोमीटर दूर करावाड़ा पंचायत में भी कुत्ते ने दो लोगों को काटा। करावाड़ा माताजी मंदिर के पास कुत्ते ने देवी (85) को काट लिया जबकि कुछ ही देर बाद उसी गांव में कुत्ते ने बृज (3) के पैर में काट लिया, उसके होंठ को भी नुकसान पहुंचाया। इन दोनों का भी उपचार पहाड़ा में ही किया गया।

पहाड़ा पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि पीएचसी पर कुत्ते के काटने से घायल हुए सभी चार लोगों का उपचार किया गया और उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आवारा कुत्ते को पकड़ने की मांग की है।

कक्षा 11 वीं के छात्र आनंद डामोर ने बताया कि जब वह पहाड़ा स्कूल पहुंचा तो गेट पर एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया और उसे काट लिया। आनंद ने शोर मचाया जिसके बाद स्कूल का स्टाफ और अन्य छात्र उसकी मदद के लिए आए और उसे कुत्ते से बचाया। आनंद ने बताया कि उसने तुरंत अपने चाचा को फोन करके घटना की जानकारी दी जिसके बाद उसे पहले पहाड़ा स्कूल में उपचार कराया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए गुजरात ले जाया गया।

पहाड़ा सरपंच बिंदू गरासिया ने बताया कि कुत्ते ने स्कूली बच्चों पर हमला किया और इसके बाद उसने करावाड़ा में भी लोगों को काटा। सरपंच ने बताया कि उनकी पंचायत में कुत्ता पकड़ने के लिए कोई संसाधन उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के बारे में 181 राजस्थान सम्पर्क पर शिकायत दर्ज कराई गई है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड उदयपुर
क्रमांक-1292 दिनांक-28.08.2025
NIT NO. 10/2025-26
Notice Inviting Bid No. PWD2526A3003
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगर खण्ड उदयपुर के अधीन उपखण्ड प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ एवं पंचम के अन्तर्गत भवन निर्माण/भवन सुदृढीकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष से पांच वर्ष की गारण्टी अवधि सहित निम्न कार्यो की निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	भवन कार्य-कुल सात (07) कार्य
निविदा की कुल लागत	राशि रू. 344.54 लाख
ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	04.09.2025 प्रात 9.30 बजे से 14.09.2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	15.09.2025 सायं 4.00 बजे से

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "http://dipr.rajasthan.gov.in", "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "sppp.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "http://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑनलाइन सम्पादित की जावेगी।
UBN NO. 1. PWD2526WSOB11275, 2. PWD2526WSOB11276, 3. PWD2526WSOB11277, 4. PWD2526WSOB11278, 5. PWD2526WSOB11283, 6. PWD2526WSOB11285, 7. PWD2526WSOB11286
(आर.के.मुंदडा)
अधिशाषी अभियंता
सार्वजनिक निर्माण विभाग
नगर खण्ड उदयपुर
DIPR/C/12897/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-बस्सी (जयपुर)
क्रमांक-952 **ई-निविदा सूचना संख्या 06/2025-26** दिनांक-03.09.2025

निविदा के कार्य का नाम	-	1. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-I under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-01/SDRF Bassi/2025-26) 2. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-II under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-02/SDRF Bassi/2025-26) 3. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-I under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-03/SDRF Bassi/2025-26) 4. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-II under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-04/SDRF Bassi/2025-26)
निविदा राशि	-	180.12 लाख रूपये।
धरोहर राशि	-	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत (360240.00) एवं 1/2 प्रतिशत (90060.00)
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	-	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आन लाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क-8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क- 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि- 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 4533
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा शुल्क जमा कराने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	-	सोमवार 15 सितम्बर, 2025 को सायं 04.00 बजे।

UBN NO. PWD2526WSOB11616, PWD2526WSOB11617, PWD2526WSOB11618, PWD2526WSOB11619
(दिनेश कुमार मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड-बस्सी (जयपुर)
DIPR/C/13299/2025

क्षेत्रीय कार्यालय
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
प्लॉट संख्या 14-15, मीणा कॉलोनी, जेल के पीछे, सवाई माधोपुर (राज.) 322001
क्रमांक :- रा.प्र.नि.मं./क्षे.का./स.मा./स.मा.-64/ दिनांक :-

आम सूचना

एकल उपयोग प्लास्टिक निर्माण इकाइयों की जानकारी देने पर 15000/- का पुरस्कार

राज्य सरकार द्वारा सम्पूर्ण राज्य में प्लास्टिक कैरी बैंग के उत्पादन, भण्डारण, वितरण, परिवहन एवं आयात पर प्रतिबन्ध लगाया हुआ है। साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा चिन्हित सिंगल यूज प्लास्टिक यथा प्लास्टिक स्टिक वाले इयर बड्स, गुब्बारे वाली प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक झंडे कैंडी एवं आइस क्रीम की प्लास्टिक स्टिक, सजावट हेतु थर्मोकोल (polystyrenc), प्लास्टिक प्लेट्स, प्लास्टिक कप, प्लास्टिक ग्लासेज, प्लास्टिक कटलरी जैसे कि चम्मच, कांटे, चाकू, स्ट्रॉ, मिठाई बॉक्स हेतु रैपिंग और पैकिंग फिल्म तथा 120 माइक्रोन से कम मोटाई के प्लास्टिक कैरी बैग एवं 100 माइक्रोन से कम पीवीसी बैनर्स पर भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 12.08.2021 की पालना में 01 जुलाई 2022 से पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाया गया है।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (RSPCB) ने एकल उपयोग प्लास्टिक (Single Use Plastic) के उत्पादन को रोकने के उद्देश्य से एक नई पुरस्कार योजना की घोषणा 13.08.2025 को की है। इस योजना के तहत, सवाई माधोपुर एवं करौली जिलों में एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबन्धित प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण इकाइयों की जानकारी देने वाले व्यक्तियों को 15000/- का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

इस योजना के अन्तर्गत, यदि किसी व्यक्ति को सवाई माधोपुर एवं करौली जिलो में एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबंधित प्लास्टिक एकल उपयोग प्लास्टिक के बारे में जानकारी मिलती है, तो वह इस कार्यालय को सूचित कर सकता है। सूचना देने वाले की पहचान को गोपनीय रखा जाएगा और जांच के बार सही जानकारी पाए जाने पर उस व्यक्ति को 15000/- का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वालों को पुरस्कार पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर दिया जाएगा। एक इकाई के विरूद्ध सिर्फ एक बार ही पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

सूचना देने के लिए निम्नलिखित सम्पर्क विवरणों को उपयोग किया जा सकता है:-
1. फोन नम्बर : 9461239662,
2. ईमेल : rorpcb.swm@gmail.com
3. पता : राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, प्लॉट नम्बर 14-15, मीणा कॉलौनी, जेल के पीछे सवाई माधोपुर (राज.) 322001

सभी नागरिकों से अपील करते है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और पर्यावरण को सुरक्षित बनाने में अपना योगदान दें। इस पुरस्कार योजना के माध्यम से हम एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबन्धित प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन पर कड़ी नजर रखेंगें और इसे समाप्त करते के लिए कठोर कदम उठाएंगे।

हम आषा करते है कि इस योजना से हमें एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं की एकल उपयोग प्लास्टिक निर्माण इकाइयों की जानकारी मिल सकेंगी और हम पर्यावरण संरक्षण में एक कदम और आगे बढ़ सकेंगे।

नोटः- उक्त पारितोषिक योजना मण्डल मुख्यालय आदेश F16(Gen-475)RPCB/Plastic/181-210 दिनांक 24.06.2023 एवं F16(Gen-475)RPCB/Plastic/72-78 दिनांक 13.08.2025 में निहित शर्तो के अधीन रहेगी।
धन्यवाद
राज.संवाद/सी/25/9748 राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सवाई माधोपुर।

50 करोड़ की एम.डी. ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़, 25 हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और प्रतापगढ़ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने प्रतापगढ़ जिले की थाना पीपलखूंट और डीएसटी के सहयोग से एम.डी. ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है। मौके से 25 हजार रुपये इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी जमशेद उर्फ जम्मु लाला निवासी देवल्दी को गिरफ्तार कर फैक्ट्री से भारी मात्रा में एमडी पाउडर, केमिकल पदार्थ, एमडी ड्रग बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किये है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 करोड रुपए आंकी गई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि टीम को आरोपी के बारे में इनपुट मिले थे। इस सूचना पर इन्होंने कई दिनों तक रैकी कर पुष्टि की। जिसमे टाण्डा बड़ा, सरहद बोरी मोजल के ईश्वर मीणा के झोंपड़े में इनामी तस्कर जमशेद उर्फ जम्मू लाला द्वारा एमडी ड्रग बनाने की जानकारी मिली। जिसके बाद जिसके बाद स्थानीय थाना पीपलखूंट और डीएसटी को सूचना देकर छापा मारा गया।

अवैध फैक्ट्री से पुलिस ने आरोपी जमशेद उर्फ जम्मु लाला को गिरफ्तार कर करीब 50 करोड़ रुपये कीमत की 17.4 किलोग्राम एमडी पाउडर, 70 किलो ग्राम से अधिक केमिकल पदार्थ, एमडी ड्रग बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया।

यह मामला 16 दिसंबर 2024 का है, जब एजीटीएफ और थाना अरनोद पुलिस ने देवल्दी गाँव में छापा मारा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 40 करोड़ रुपये कीमत के 11.450 किलोग्राम लिक्विड एमडीएमए, 14.770 किलोग्राम अन्य लिक्विड केमिकल, 4.900 किलोग्राम केमिकल और 2.500 किलोग्राम सफेद पाउडर सहित एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण जब्त किए थे। इस मामले में आरोपी याकुब पुत्र फकीरगुल, जमशेद उर्फ जम्मू लाला और साहिल पुत्र सलीम निवासी देवल्दी थाना अरनोद प्रतापगढ़ फरार हो गए थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए एसपी प्रतापगढ़ द्वारा 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मुख्य आरोपी याकूब खां मादक पदार्थों की तस्करी से अवैध संपत्ति अर्जित कर रहा था। वित्तीय जांच में यह सामने आया कि उसने वर्ष 2024 में अपनी पत्नी बखमीना बी के नाम पर मध्य प्रदेश के जावरा स्थित हुसैन टेकरी क्षेत्र में एक होटल/लॉज खरीदा था। जिसकी बाजार कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये है। इसके बाद प्रतापगढ़ पुलिस ने सक्षम प्राधिकारी भारत सरकार के निर्देश पर एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ(1) के तहत उक्त सम्पत्ति को 28 अगस्त को फ्रीज कर दिया।

इस संयुक्त कार्रवाई में एजीटीएफ के हेड कांस्टेबल महावीर सिंह कांस्टेबल नरेंद्र पाटीदार की विशेष भूमिका रही।

वहीं प्रतापगढ़ डीएसटी के प्रभारी उप निरीक्षक रविंद्र पाटीदार सहित टीम के सदस्यों उप निरीक्षक पन्नालाल, एएसआई प्रताप सिंह, कांस्टेबल विनोद, नरेंद्र सिंह, पंकज, रमेश चंद, हेमेन्द्र सिंह, संदीप, रमेश चंद व अरविंद सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसएचओ पीपलखूंट नरेश पाटीदार और उनकी टीम भी इस कार्रवाई का हिस्सा रही।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और प्रतापगढ़ पुलिस ने एम.डी. ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा करते हुए तस्कर को गिरफ्तार किया।

- 17.4 किलो एम.डी. पाउडर और 70 किलो केमिकल व उपकरण जब्त
- हाल ही में आरोपी की 1 करोड़ की संपत्ति भी हुई थी फ्रीज

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव की शिष्टाचार भेंट

प्रदेश में ट्रेन कनेक्टिविटी बढ़ाने एवं रेलवे विकास कार्यों को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय रेल मंत्री ने राजस्थान में रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान लॉजिस्टिक हब के लिए भरतपुर रेलवे स्टेशन के मास्टर प्लान, दिल्ली से जैसलमेर, उदयपुर से जोधपुर, बांसवाड़ा से दिल्ली एवं डूंगरपुर से मुंबई की रेल कनेक्टिविटी सुविधा में विस्तार पर चर्चा हुई। शर्मा ने पचपदरा रिफाइनरी को भी रेलवे सुविधा से जोड़ने को लेकर वैष्णव से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय रेल मंत्री से प्रदेश में रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के कार्यों में गति लाने एवं अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की।

बीटेक अभ्यर्थियों को राहत, मैरिट में आएं तो नियुक्ति दें

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 में मामले में बीई, बीटेक व कंप्यूटर कॉन्सेप्ट सर्टिफिकेट रखने वाले अभ्यर्थियों को मेरिट में आने पर समस्त परिलाभ सहित नियुक्ति देने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश अभिषेक शाह, परविन्दर कौर व अन्य की याचिकाओं को मंजूर करते हुए दिया। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार की कमेटी ने 10 जून 2025 को हुई मीटिंग में यह निर्णय लिया था कि इंजीनियरिंग की किसी भी शाखा में बीई, बी.टेक की डिठी व सीसीसी वाले अभ्यर्थी आरएससीआईटी के समकक्ष है। ऐसे में जहां पर भी आरएससीआईटी की अनिवार्यता होगी वहां पर बीई-बीटेक वालों को भी इसके समकक्ष माना जाएगा। इसलिए याचिकाकर्ताओं को भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया जाए।

मामले से जुड़े आरपी सैनी ने बताया कि याचिकाकर्ताओं ने इस भर्ती में भाग लिया था। वे भर्ती की अंतिम कट ऑफ मेरिट में भी आ गए, लेकिन दस्तावेज सत्यापन के दौरान उन्हें नियुक्ति से यह कहते हुए वंचित कर दिया कि उनके पास आरएससीआईटी प्रमाण पत्र नहीं है। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि उनके पास इस प्रमाण पत्र से उच्च डिठी है। इसलिए उन्हें सभी सेवा परिलाभ सहित नियुक्ति दी जाए।

योग के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य, संस्कार और समृद्धि का बीजारोपण करें

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव ने किया राजस्थान दौरा

जयपुर (कासं)। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव ने 2 से 10 सितंबर तक पश्चिमी राजस्थान के 6 जिलों में 2500 किलोमीटर की निरंतर सड़क मार्ग यात्रा करते हुए 8 दिवसीय नि:शुल्क इंटिग्रेटेड योग शिविर और 7 जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठकें व अनेकों स्कूलों में संगोष्ठी की। उन्होंने करीब 20 हजार से अधिक योग साधकों व जनमानस को योगऋषि स्वामी रामदेव तथा आचार्य बालकृष्ण के संकल्पों को पूरा करने के लिए मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय योग परंपरा विश्व की सबसे अर्वाचीन और प्राचीन योग परम्परा है, यह महर्षि पतंजलि के तप से वरदान स्वरूप हमें प्राप्त हुई है। जिसे विश्वयोग गुरू स्वामी रामदेव और आयुर्वेद आचार्य बालकृष्ण महाराज ने पुनर्स्थापित करने का प्राण प्रण संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य-संस्कार और समृद्धि का बीजारोपण करें। प्रतिदिन के योग से जब स्वस्थ शरीर और विचारों से परिपूर्ण मनुष्य होगा, तभी यह देश विकसित भारत बनकर संसार को नेतृत्व प्रदान कर सकेगा। स्वामी परमार्थदेव ने जोधपुर, जैसलमेर, तनोट, चौहटन, बाड़मेर, सांचौर, सुमेरपुर और पाली में विशेष इंटिग्रेटेड योग शिविर में लोगों को संबोधित किया और योगाभ्यास कराया। जैसलेर के तनोट माता मंदिर में बीएसएफ के जवानों के साथ भी योगाभ्यास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान भारत स्वाभिमान न्यास के राज्य प्रभारी करनाराम चौधरी, पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी समदर सिंह, पतंजलि किसान सेवा समिति के राज्य प्रभारी हुकमाराम राव, पतंजलि युवा भारत के राज्य प्रभारी नरेन्द्र परिहार, पतंजलि सोशल मीडिया के राज्य प्रभारी दिलीप कुमार तिवाड़ी तथा मदन मोहन मौजूद थे।

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव ने पश्चिमी राजस्थान के 6 जिलों में 8 दिवसीय नि:शुल्क इंटिग्रेटेड योग शिविर लगाया।

संसद में लगे मीरा बाईसा की प्रतिमा

जयपुर/दिल्ली। युवा शक्ति संयोजन के तत्वावधान में दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित क्षत्राणी समागम में सैकड़ों क्षत्राणियों ने एक स्वर में मीरा बाईसा की प्रतिमा संसद भवन परिसर में स्थापित करने की मांग उठाई। कार्यक्रम के मुख्य ध्वजवाहक शक्ति सिंह बांदीकुई ने कहा कि मीरा बाईसा त्याग, भक्ति और नारी आत्मबल की प्रतीक हैं, उन्हें राष्ट्र स्तर पर सम्मानित किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि मेघराज सिंह रॉयल ने इसे मातृशक्ति की चेतना को जागृत करने वाला आयोजन बताया।क्षत्राणी ध्वजवाहकों - कमोद राठौड, सुनीता कंवर और सीमा कंवर - ने बलिदानी वीरांगनाओं को नमन करते हुए समाज की एकजुटता का आ ान किया। समागम में हाड़ी रानी, बाला सती माता और सती रूप कंवर के बलिदान व तप को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।

केन्द्रीय विधि मंत्री के वायरल वीडियो से बीकानेर में बेंच स्थापना को हवा

जयपुर (कासं)। सोशल मीडिया पर केन्द्रीय विधि मंत्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे सीजेआई बीआर गवई की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा की जानकारी दे रहे हैं। शहर का वकील समुदाय वायरल वीडियो में केन्द्रीय मंत्री की ओर से कही बात को बीकानेर में बेंच स्थापना की कवायद से जोड रहा है। वहीं इसी आधार पर शहर के वकीलों ने शुक्रवार को न्यायिक कामकाज से दूर रहने का निर्णय लिया है।

राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, दी बार एसोसिएशन और दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की ओर से गुरुवार को इस संबंध में आपात बैठक बुलाई गई। बैठक में तीनों बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने एक दिन न्यायिक कामकाज से दूर रहने का निर्णय लिया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव रमित पारीक ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री के वीडियो से बीकानेर में हाईकोर्ट की पीठ स्थापित करने को लेकर वकीलों में भ्रम पैदा हो गया है। विधि मंत्री ने अपने बयान में सीजेआई कार्यालय को लेकर भी अपने कुछ कहा है। जिसके चलते पूरा विधिक समुदाय दुखी है। ऐसे में शुक्रवार को न्यायिक कामकाज में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया गया है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर केन्द्रीय विधि मंत्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे कह रहे हैं कि सितंबर माह में सीजेआई बीआर गवई बीकानेर दौरे पर आ रहे हैं।

मामले में कोई प्रोग्रेस हुई है और धरातल पर कुछ काम हुआ है। वे आएंगे उस समय ही इसकी जानकारी दी जाएगी। वकीलों का कहना है कि केन्द्रीय विधि मंत्री बीकानेर में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने के संबंध में यह जानकारी दे रहे हैं।

- शहर के वकील आज नहीं करेंगे न्यायिक कामकाज

कॉलेज जा रही छात्रा से छेड़छाड़ के बाद अपहरण का प्रयास

जयपुर। बस्सी थाना इलाके में एक परिचित ने कॉलेज छात्रा से छेडछाड़ कर उसके अपहरण का प्रयास किया। पीडिता ने घटना की जानकारी घर पहुंच आने परिजनों को दी। जिसके गुस्साए परिजनों ने पीडिता को थाने ले जाकर आरोपी परिचित के खिलाफ छेड़छाड़ व जबरन कार में बैठाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि कोटखावदा निवासी 20 वर्षीय युवती का आरोप है की वह एक प्राइवेट कॉलेज में पढ़ाई करती है। सुबह करीब 9 बजे वह कॉलेज जाने के लिए निकली थी। रास्ते में एक कार सवार बार-बार आगे-पीछे होकर उसका पीछा कर रहा था। रास्ते में आरोपी परिचित ने कार आगे लगाकर उसे रोक लिया। उसके साथ छेडछाड़ कर जबरन कार में बैठाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने युवती को जाने से मारने की धमकी दी। जिसके बाद राहगीरों की भीड़ घटना स्थल पर जमा हो गई।

केन्द्रीय विद्यालय को अन्य जगह शिफ्ट करने की कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

दौसा जिले की महवा तहसील के गांव हडिया में साल 2022 में स्वीकृत हो चुके केन्द्रीय विद्यालय का मामला

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा जिले की महवा तहसील के गांव हडिया में साल 2022 में स्वीकृत हो चुके केन्द्रीय विद्यालय को मौजूदा जगह से 15 किमी दूर वीरपुर में शिफ्ट करने की कार्रवाई शुरू करने पर सीएस, जिला कलेक्टर दौसा व केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त सहित अन्य से जवाब माना है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश विष्णु कुमार कुशवाहा व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता प्रशांत कुमार ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रयास से गांव हडिया केन्द्रीय विद्यालय को मंजूर किया गया। इसकी लैंड एवं बिल्डिंग सूटेबिलिटी रिपोर्ट भी केंद्र सरकार को भेजने के बाद केन्द्र सरकार ने भी इस जगह पर केन्द्रीय विद्यालय शुरू करने की घोषणा की। इस दौरान तत्कालीन एमएलए ने भी विधायक कोष से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 10 कमरे बनवाने के लिए स्वीकृति दी। जिससे कि केन्द्रीय विद्यालय के भवन का निर्माण पूरा होने तक तक उसे यहां पर शुरू किया जा सके। याचिका में कहा गया कि राजनीतिक कारणों से इस केन्द्रीय विद्यालय को करीब पन्द्रह किलोमीटर दूर शिफ्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में जिला कलेक्टर ने भी गत 29 जनवरी को केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त को पत्र लिखकर स्कूल के लिए दूसरी जगह तलाशने के लिए कहा। इसे चुनौती देते हुए कहा है कि जब पूर्व में केन्द्रीय विद्यालय को तय जगह पर मंजूरी मिल गई है तो अब इसे किसी अन्य जगह पर शिफ्ट करने का प्रयास क्यों किया जा रहा है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

सफाई कर्मचारी पद पर परिवार के तीन सदस्य चयनित हुए हैं तो नियुक्ति सिर्फ एक को ही क्यों?

राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख स्वायत्त सचिव, आयुक्त और नगर निगम कोटा-दक्षिण से जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर निगम कोटा की सफाई कर्मचारी भर्ती-2012 में एक ही परिवार से तीन सदस्यों के चयनित होने पर उनमें से केवल एक को ही नियुक्ति देने पर प्रमुख स्वायत्त सचिव, विभाग के आयुक्त और नगर निगम कोटा-दक्षिण से जवाब मांगा है। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि चयनित होने के बाद भी याचिकाकर्ताओं को नियुक्ति से वंचित क्यों किया गया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश सीता चौहान व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं ने साल 2012 की सफाई कर्मचारी भर्ती में भाग लिया था।

इसमें याचिकाकर्ताओं के परिवार के तीन सदस्यों का चयन हुआ, लेकिन नियुक्ति एक सदस्य को ही दी गई। मामले में हाईकोर्ट ने 11 फरवरी 2025 को याचिकाकर्ताओं को संबंधित पक्षकारों के समक्ष प्रतिवेदन देने और अधिकारियों को प्रतिवेदन का निस्तारण करने के निर्देश दिए थे। जिस पर नगर निगम कोटा-दक्षिण ने 9 जुलाई 2025 को याचिकाकर्ताओं का प्रतिवेदन अस्वीकार कर दिया और खाली पदों का हवाला देकर उन्हें कार्यठाहण नहीं कराते हुए कहा कि एक परिवार से एक ही व्यक्ति को नियुक्ति दी जाएगी। इसे याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में पुन: चुनौती देते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने 12 अप्रैल 2017 व 11 मई 2017 के आदेश में स्पष्ट किया है कि नगर निगम की ओर से नियुक्ति के लिए ऐसी कोई पाबंदी नहीं लगाई जाएगी।

वहीं नगर निगम ने समान मामले में ही 2012 में चयनित 11 सफाई कर्मचारियों को 20 जनवरी 2025 को कार्यठाहण कराया है। इसके अलावा नगर निगम में 836 पद अभी भी खाली हैं। इसलिए उन्हें नियुक्ति दिलाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

बाजरा खरीद शुरू करे सरकार, नहीं तो होगा आंदोलन : रेड्डी

जयपुर। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. साई रेड्डी ने राज्य सरकार पर किसानों से किए वादे पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो किसान आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव से पहले बाजरे की समर्थन मूल्य पर खरीद की घोषणा की थी, लेकिन अब तक खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है। यह घोषणा केवल एक चुनावी वादा बनकर रह गई है। रेड्डी बुधवार को संघ के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों की प्रमुख मांग है कि बाजरा खरीद प्रक्रिया को तुरंत शुरू किया जाए, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

विवादित राशि के बजाए पूरा खाता फ्रीज किया

हाईकोर्ट ने डी-फ्रीज करने के आदेश दिए

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर ठगी को लेकर विवादित राशि के बजाए कचौड़ी बेचने वाले का पूरा बैंक खाता फ्रीज करने के मामले में राहत दी है। अदालत ने याचिकाकर्ता का खाता डी-फ्रीज करने के आदेश देते हुए इस बिंदु पर समान प्रकृति के मामलों से जुड़े वकीलों को अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में अदालत का सहयोग करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश पदम कुमार जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता जांच एजेंसी की अनुमति के बिना खाता बंद नहीं करेगा और यदि याचिकाकर्ता की भूमिका सामने आए तो उस पर कार्रवाई की जाए। अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और आरबीआई के वकीलों को भी इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों से कोर्ट को अवगत कराने को कहा है।

याचिका में अधिवक्ता अक्षत शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता कचौडी विक्रेता के बैंक खाते में पांच हजार रुपए का संदिग्ध लेनदेन बताकर बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने बैंक खाता फ्रीज कर दिया। बैंक प्रशासन ने बताया कि तेलंगाना पुलिस में दर्ज साइबर अपराध को लेकर दिए निर्देश पर उसका खाता बंद किया गया है। खाता बंद होने से उसे व्यवसाय चलाने में कठिनाई हो रही है। ऐसे में उसका खाता डी-फ्रीज किया जाए। इसका विरोध करते हुए बैंक की ओर से अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने कहा कि मामले में राष्ट्रीय पोर्टल पर हुई शिकायत पर तेलंगाना पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अज्ञात साइबर अपराधियों ने करोडों रुपए की ठगी की है। जिसकी याचिकाकर्ता के बैंक खाते में भी राशि जमा हुई है। मामले में जांच एजेंसी और गृह मंत्रालय की एसओपी के आधार पर खाता बंद किया गया है। यदि ऐसे मामले में पूरा खाता फ्रीज नहीं किया जाए और बाद में ठग खाते से पूरी राशि दूसरे खातों में जमा कर दें तो मूल खाता धारक इसके लिए बैंक प्रशासन को जिम्मेदार ठहराएगा। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता का बैंक खाता डी-फ्रीज करने के निर्देश देते हुए समान प्रकृति से जुड़े मामलों के वकीलों को अदालत का सहयोग करने को कहा है।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के पंचम चरण में निवेशकों को 7000 भूखंड़ उपलब्ध करवाएगा रीको प्रशासन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रीको प्रशासन द्वारा प्रत्यक्ष आवंटन योजना के 4 चरणों की अप्रत्याशित सफलता के पश्चात् पंचम चरण की शुरूआत 12 सितंबर से की जायेगी। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अंर्तगत 27 अगस्त 2025 तक राज्य सरकार के साथ एम.ओ.यू निष्पादित करने वाले निवेशक 12 से 26 सितंबर तक ऑनलाइन ईएमडी जमा तथा आवेदन कर सकेंगे। इस चरण के अंतर्गत ई-लॉटरी 3 अक्टूबर को निकाली जायेगी।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के पंचम चरण में निवेशकों को रीको के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों (नये एवं पुराने) में करीब 7000 भूखण्ड उपलब्ध करवाये जाएंगे। योजना में विभिन्न श्रेणियों-वर्गों जैसे एससी-एसटी महिला वर्ग, भूतपूर्व सैनिक, बेंचमार्क दिव्यांगता तथा सशस्त्र बलों तथा अर्ध सैनिक बलों के मृतकों के आश्रितों के लिये भी भूखण्ड आरक्षित किये गये है।

मार्च-2025 में प्रारंभ हुई इस योजना के अंतर्गत रीको ने निवेशकों को प्रत्येक चरण में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रो में 6 हजार से अधिक भूखण्डों में से अपनी रूचि एवं आवश्यकतानुसार आरक्षित दर पर सही भूखण्ड का चयन करने का अवसर दिया है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना- 2025 के पूर्ववर्ती चार चरणों में अब तक बड़ी संख्या में उद्यिमयों को भूखण्डों के लिये ऑफर लेटर दिये जा चुके हैं। रीको को इस योजना के अंतर्गत अब तक 1100 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके है।

रीको प्रशासन ने आवंटन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि, 50 हजार वर्गमीटर तक एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने की दशा में ई-लॉटरी के माध्यम से सफल आवेदक को आवंटन किया जायेगा।

इसी प्रकार 50 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल से अधिक/विशेष औद्योगिक क्षेत्रों व पार्कों में आवेदक की पात्रता, भूमि की आवश्यकता इत्यादि के गुणावगुण के आधार पर आवंटन किया जायेगा। भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाईन जमा होगी। प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु आवेदन करने वाले निवेशकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जिस कंपनी अथवा व्यक्ति के द्वारा एमओयू किया गया है, भूखण्ड उसी कंपनी अथवा व्यक्ति को आवंटित किया जा सकेगा।

- राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अंर्तगत 27 अगस्त 2025 तक राज्य सरकार के साथ एम.ओ.यू निष्पादित करने वाले निवेशक 12 से 26 सितंबर तक ऑनलाइन ईएमडी जमा तथा आवेदन कर सकेंगे। इसकी ई-लॉटरी 3 अक्टूबर को निकाली जायेगी।

सार-समाचार

श्रद्धांजलि एवं समावेशी उत्सव

अजमेर(कासं)। राजस्थान महिला कल्याण मंडल, अजमेर द्वारा विशेष शिक्षा के प्रेरणास्त्रोत संजय कुमार कौशिक की पुण्यतिथि पर एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन आरएमकेएम संचालित मीनू मनोविकास मंदिर इनक्लूसिव स्कूल, चाचियावास में किया गया। इस मौके पर मीनू स्कूल एवं सागर कॉलेज के विद्यार्थियों सहित समस्त स्टाफ ने मिलकर कौशिक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में विशेष एवं सामान्य बच्चों के लिए बुची, कैरम, दौड़ और ड्राइंग जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनका शुभारंभ डॉ. मनमोहन, डॉ. सुभानी चौहान, राकेश कुमार कौशिक, क्षमा आर. कौशिक, अनुराग सक्सेना, तरुण शर्मा, डॉ. भगवान सहाय शर्मा, पदमा चौहान एवं सीमा मालोदिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया, प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों का राज्यस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन

मसूदा(निसं)। श्यामगढ़ विद्यालय के छात्र व छात्राओं का राज्यस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में चयन बिराटिया कलां में आयोजित 69 वी जिलास्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में श्यामगढ़ स्कूल के छात्रों ने 19 वर्षीय आयु समूह में दूसरा तथा 17 वर्षीय आयु वर्ग में लड़कियों ने भी दूसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के 5 छात्रों व 4 छात्राओं का राज्यस्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयन हुआ इस अवसर पर इन खिलाड़ियों का संस्था प्रधान राज सैनी ,गोविन्द प्रसादसेन ,देवलमुनिआर्य ,कल्याणसिंह ,चम्पालाल मेघवाल ,सरफराज काठात सहित सम्पूर्ण स्टाफ द्वारा अभिनन्दन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता चयन होने पर खुशी जताते हुए कहा कि हम विद्यालय एवं परिवार सहित क्षेत्र का नाम रोशन करने में कोई भी कमी नहीं छोड़ेंगे।

कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

अजमेर (कासं)। श्री अठावाल सेवा संस्था अजमेर की कार्यकारिणी की बैठक 'क्रेज़ीटेल रेस्टोरेंट' वैशाली नगर अजमेर में संस्था अध्यक्ष प्रदीप बंसल की अध्यक्षता में आयोजित की गयी जिसमें संस्था की और से श्री अठासेन जयंती व संस्था के आम चुनाव सहित अन्य कई महत्वपूर्ण निर्णय एवं भावी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गये। संस्था अध्यक्ष प्रदीप बंसल व सचिव संदीप बंसल ने बताया कि बैठक का शुभारंभ ईश वंदना के साथ हुआ, इसके पश्चात सचिव संदीप बंसल ने कार्यकारिणी की गत बैठक का कार्यवाही विवरण पढ़कर सुनाया जिसका सभी ने अनुमोदन किया, कोषाध्यक्ष अशोक गर्ग गोटा वाले ने होली स्नेह मिलन तथा वित्तीय वर्ष 2024 - 25 का वार्षिक लेखा जोखा प्रस्तुत किया जिसकी सर्वसम्मति से पुष्टि की गईं। संस्था की सदस्यता के लिए प्राप्त 7 नए आवेदनों को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। बैठक में संस्था द्वारा श्री अठासेन जयंती की शोभा यात्रा का भव्य स्वागत संस्था कार्यालय घास कटला, नया बाजार पर किया जाना सुनिश्चित किया गया, जिसके संयोजक राकेश टकसाली, विनोद अठावाल व अनिल गर्ग को बनाया गया।

आर के मार्बल चेयरमैन पाटनी ने अवलोकन किया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। बाबा साहब स्व रतनलाल पाटनी की पुण्य स्मृति में आर के फाउंडेशन के आर्थिक सहयोग से आयोजित शिविर में दिव्यांग को नि:शुल्क उपकरण वितरण किये। लायंस क्लब किशनगढ़ क्लासिक और महावीर विकलांग समिति के संयुक्त तत्वावधा0न में आयोज्य शिविर में दिव्यांग को 41 ट्राइसाइकिल, 31 व्हील चेयर, 28 जयपुर फूट, 55 कैलिपर, 30 बैसाखी, 6 कृत्रिम हाथ वितरण किया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, आर के मार्बल अशोक पाटनी, सुरेश पाटनी, आदि पाटनी, मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन, सीए सुभाष अगरवाल, महावीर कोठारी, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया व नगर परिषद आयुक्त सीता वर्मा ने शिविर का अवलोकन किया। लायंस क्लब से प्रान्तपाल रामकिशोर गर्ग, निशांत जैन, श्यामसुंदर मंत्री, दिलीप तोषनीवाल, हरीश गर्ग ने भी शिरकत की। संयोजक निखिल सारडा, सुनील केजरीवाल ने बताया कि दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ व पैर तत्काल वही मशीन द्वारा लगा दिया। आंगतुक अतिथियों ने बाबा साहब स्व रतनलाल पाटनी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। भामाशाह अशोक पाटनी ने जरूरतमंद की सेवा के लिये हर संभव मदद के लिये आश्वस्त किया।अध्यक्ष अमित अगरवाल ने आर के मार्बल परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान सचिव रमाकांत काबरा, संयोजक राजेश पाटनी, मुकेश गोयल, नरेंद्र मेहता, मुकेश जैन, महेंद्र नाहर, संजय गोयल, पदम जैन, अविनाश पाटनी, अजय गंगवाल, मनोज गोधा, पीयूष पाराशर, रोहित मेहता, सुशील बंसल, विनोद पाटनी, जितेंद्र पहाड़िया, अनिल शर्मा, नितिन मैनावत, शुभम, रवि सारडा, संजय गुप्ता, संजय नागर, अजय जैन, अशोक गंगवाल, राकेश ओसवाल, विनीता मेहता, रोहित सुराणा ने सहयोग किया।

बेसहारा गौवंश को लगाए जाएंगे रेडियम ब्लेट

ब्यावर (निसं) अविनाश गहलोत फाउंडेशन द्वारा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के अंतर्गत हाईवे पर बैठे बेसहारा गौवंश को रेडियम ब्लेट लगाकर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु प्रभावी कदम उठाया जाएगा। इस एक माह तक चलने वाले सतत अभियान का शुभारंभ जिला कलेक्टर कमल राम मीना एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। सोमेश सोनी, मनीष मंगल, राहुल साहु एवं दिपक अटवाल सक्रिय रूप से मौजूद रहे।जिला कलेक्टर मीना ने इस पुनीत कार्य के लिए फाउंडेशन के सभी सदस्यों को बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह पहल सड़क सुरक्षा के साथ-साथ पशु संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगी। फाउंडेशन द्वारा पूर्व में भी सड़क सुरक्षा हेतु कई नवाचार किए गए हैं। रामदेवरा मेला में पैदल जाने वाले व्यक्तियों को रिफ्रैक्टर टेप लगाई गई, वहीं लगभग 165 बाइक चालकों को नि:शुल्क हेलमेट वितरित किए गए। इसके साथ ही राजस्थान सरकार के गुड सेमरिटन अभियान का प्रचार-प्रसार प्रत्येक भंडारे पर बैनर लगाकर किया गया।इसी प्रकार, तेजा मेले में भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए एक अनूठी पहल की गई, जिसमें प्रतियोगिता के दौरान विजेता व उपविजेता महिला टीम को हेलमेट प्रदान कर सुरक्षा का संदेश दिया गया।फाउंडेशन की ओर से अविनाश गहलोत फाउंडेशन ने जिला प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया तथा कहा कि प्रशासनिक सहयोग से यह अभियान और अधिक प्रभावी रूप से संपन्न होगा। फाउंडेशन ने आमजन से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें, गति सीमा का पालन करें तथा सड़क पर मौजूद पशुओं को देखकर सतर्क रहें। सड़क सुरक्षा सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

विश्वविद्यालय में विश्वबंधुत्व दिवस पर संवाद

अजमेर(कासं)। महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के योग एवं मानवीय चेतना विभाग के द्वारा स्वामी विवेकानंद के विश्व धर्म संसद के संबोधन के मौके पर आयोजित किए गए विश्व बंधुत्व दिवस समारोह के अवसर पर संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. सुरेश कुमार अठावाल ने स्वामी विवेकानन्द को भारतीय वैदिक परंपरा के राष्ट्रीय और वैश्विक व्यक्तित्व के रूप में सराहा, जिसमें उनके क्षेत्रीय सीमाओं से परे प्रभाव को उजागर किया गया। कुलगुरू ने बताया कि विवेकानंद ने भारत के कोने-कोने का दौरा कर देश की महानता का संदेश न केवल देशवासियों, बल्कि उसे विदेशियों तक पहुँचाया, जिसमें उनका ऐतिहासिक 'शिकागो धर्म संसद' में हिस्सा लेना सम्मिलित है। राजस्थान विशेष रूप से चर्चा में रहा, जहाँ खेतड़ी के महाराजा अजीत सिंह द्वारा विवेकानंद को शिकागो यात्रा के लिए सहयोग दिया गया--इससे यह सिद्ध हुआ कि राजस्थान की भूमिका उनके वैश्विक सम्मान के मार्ग में अत्यंत महत्वपूर्ण थी। कुलगुरू ने विवेकानंद को वेदांत दर्शन के व्यावहारिक प्रवक्ता के रूप में प्रस्तुत करते हुए उनके विचार को शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी परिवर्तन का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ कर्तव्य और नैतिक जिम्मेदारी है, जिसे भारतीय परंपरा में जीवनशैली के रूप में परिभाषित किया गया है। कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन विवेकानन्द केन्द्र के प्रांत कार्यपद्धति प्रमुख डॉ. स्वतन्त्र शर्मा ने किया। स्वागत उद्बोधन प्रो. मोनिका भटनागर एवं आभार ज्ञापन डॉ. आशीष पारीक ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लारा शर्मा ने किया।

विशेष जागरुकता अभियान में पोक्सो एक्ट पर चर्चा

■ मेघा रतन ने कहा कि समाज के बदलते परिवेश में इस बात की अवधारणा ओर अधिक बढ़ जाती है कि बालक हमारी मानवीय पूंजी है, इसे सुरक्षित एवं संरक्षित रखना हमारा सामाजिक दायित्व व नैतिक जिम्मेदारी है

अजमेर (कासं)। महिला अधिकारिता द्वारा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत संकल्प - हब फॉर एंपावरमेट ऑफ वूमेन के विशेष जागरूकता अभियान के अन्तर्गत सहकार भवन के सभागार में पोक्सो एक्ट की कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला अधिकारिता उप निदेशक मेघा रतन ने कहा कि समाज के बदलते परिवेश में इस बात की अवधारणा ओर अधिक बढ़ जाती है कि बालक हमारी मानवीय पूंजी है, इसे सुरक्षित एवं संरक्षित रखना हमारा सामाजिक दायित्व व नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जिला स्तर पर ही नहीं अपितु विभाग के पर्यवेक्षक, महिला अधिकारिता के द्वारा भी ब्लॉक स्तर पर आयोजित की जा रही है। इसमें ग्राम साथिन सहित स्वयंसेवी संगठन के प्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगण सहभागिता कर रहे है। उन्होने पोक्सो एक्ट के विषय में उपस्थित संभागीगणों को सम्बोधित करते हुये कहा कि कार्यशालाओ की महत्वता तब सार्थक होगी जब हम इसे फिल्ड एवं अपने कार्य क्षेत्र में जाकर कार्यान्वित करावें। उन्होने कहा कि 10 सितम्बर को समस्त ब्लॉक में पर्यवेक्षकों द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण एनिमिया रोकथाम विषय की कार्यशालाओं का आयोजन किया गया तथा राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड मण्डल मुख्यालय अजमेर में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने सहभागिता कर कार्यक्रम के उद्देश्य के संबध में अवगत करवाया। सहकारी समितियां के अतिरिक्त रजिस्ट्रार हरिश सिवासिया ने कहा कि सहकार विभाग द्वारा भी महिलाओं के आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगान्मुख भावना को विकसित करने के लिये योजनाऐं संचालित कर रखी है। कॉलेज शिक्षा विभाग सहायक निदेशक सुनिता पचौरी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि समाज के प्रति हमें जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुये बच्चों के प्रति संवेदनशीलता व सजगता रखने की आवश्यकता है। जिससे मानवता की एक मिसाल कायम हो सकेगी। कार्यशाला को चाईल्ड हैल्प लाईन काउन्सर प्रेम नारायण शर्मा व राजस्थान महिला कल्याण मण्डल कार्यकर्त्ता चित्र लेखा ने भी सम्बोधित किया एवं कार्यशाला के दौरान खुले सत्र में अपने अनुभव को साझा करते हुये विभाग की मानदेय सेवा आधारित ठाम साथिन उमराव चौहान व मंजू राव ने भी विचार-व्यक्त किए। इससे पूर्व महिला अधिकारिता उप निदेशक मेघा रतन व सहकारी समितियां अतिरिक्त रजिस्ट्रार हरिश सिवासियां ने मां सरस्वती की पूजा कर दीप प्रवज्जलित किया। कार्यशाला का संचालन राजस्थान महिला कल्याण मण्डल उप निदेशक नानू लाल प्रजापत ने किया।

टेलर अध्यक्ष, पूरी सचिव बने

मेड़तासिटा (निसं)। मेड़ता शहर के जेतारण चौकी के पास स्थिति श्री सिद्धि विनायक मंदिर में स्थानीय युवाओं की मीटिंग आयोजित हुई। मीटिंग में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित होने वाले नवरात्रा महोत्सव को लेकर चर्चा की गई। आगामी नवरात्रा महोत्सव के सफल आयोजन करने को लेकर नवरात्रा महोत्सव समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष महेंद्र टेलर,सचिव सुनील पुरी व कोषाध्यक्ष महेंद्र निभावत को सर्व समिति से बनाया गया।

वही उपाध्यक्ष हिम्मत सिंह, महामंत्री विकास अजमेरा,सह कोषाध्यक्ष मुकेश दाधीच,मंत्री श्याम सांखला, प्रचार मंत्री कालू गहलोत, मान सिंह पंवार, सह सचिव अर्जुन गहलोत, जोरावर पंवार,संगठन मंत्री पप्पू जांगिड़,सागर सांखला,सुनील पालड़िया,मीडिया प्रभारी राजू सेन आदि को भी सेवा सहमति से बनाया गया।सुमेर सैनी,रमेश जांगिड़ सहित पूर्व सभी अध्यक्षों को संरक्षक बनाया गया। तरुण वैष्णव,रवि,महेश गहलोत,सुशील टाक,हिम्मत सिंह,महेश जांगिड़, एसपी पुरोहित,दिनेश सेन,कैलाश माली, श्रवण माली,राम अवतार सांखला,आशीष सोनी सहित सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता नवरात्रा महोत्सव की व्यवस्थाओं में जुटे।

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री प्रियंका के विद्यालय के शैक्षणिक दस्तावेजों में उसका नाम प्रियंका कोहली दर्ज है, जो कि गलत है उसका सही एवं वास्तविक नाम प्रियंका है जो कि उसके सभी मूलभूत दस्तावेजों में दर्ज है, अत: मेरी पुत्री को भविष्य में सभी आवश्यक कार्यों के लिए इसी नाम से जाना पहचाना जाए। पता-मैना देवी पत्नी सुरेश चन्द, बालिया तह. डीडवाना, जिला डीडवाना-कुचामन,(राज.)

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री प्रियंका के विद्यालय के शैक्षणिक दस्तावेजों में उसका नाम प्रियंका कोहली दर्ज है, जो कि गलत है उसका सही एवं वास्तविक नाम प्रियंका है जो कि उसके सभी मूलभूत दस्तावेजों में दर्ज है, अत: मेरी पुत्री को भविष्य में सभी आवश्यक कार्यों के लिए इसी नाम से जाना पहचाना जाए। पता-मैना देवी पत्नी सुरेश चन्द, बालिया तह. डीडवाना, जिला डीडवाना-कुचामन,(राज.)

राजस्थान शिक्षा सांस्कृतिक संगम, अजमेर

विक्रय निविदा

सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग अजमेर के आदेश क्र. एफ 3(14)देव/ट्रस्ट/2023-2742, दिनांक 10.10.2024 के अनुसार राज. शिक्षा सांस्कृतिक संगम की जादूगर बस्ती श्रीनगर रोड स्थित प्रन्यास की अचल सम्पदा 2590 व.मी. भूमि खुली नीलामी द्वारा बेचान (पूर्व में स्थगित) पुनः दिनांक 15 सितंबर 2025 को प्रन्यास कार्यालय नया बाजार में मध्यान्ह 12.30 बजे की जायेगी। इच्छुक व्यक्ति में मय अमानत राशि (2.50 लाख रू. का संस्था के नाम डी.डी.) सहित भाग ले सकता है। -एस.के. माहेश्वरी, सचिव

20 सूत्री कार्यक्रम की समीक्षा बैठक

■ रुद्रा रेणु ने 20 सूत्री कार्यक्रम की सम्बंधित विभागों की माह अगस्त की मासिक प्रगति से अवगत कराया

अजमेर (कासं)। गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में 20 सूत्री कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य आयोजना अधिकारी रुद्रा रेणु ने 20 सूत्री कार्यक्रम की सम्बंधित विभागों की माह अगस्त की मासिक प्रगति से अवगत कराया। माह अगस्त की प्रगति के अनुसार 20 सूत्री कार्यक्रम में राजीविका के सूत्र एसएचजी प्रमोटेड व रिवॉल्विंग फण्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, स्थानीय निकाय के सूत्र, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सूत्र संस्थागत प्रसव, अनुसूचित जाति एवं जनजाति निगम, प्रधानमंत्री ठाम सड़क योजना के सूत्र व सार्वजनिक निर्माण विभाग के सूत्रों में आवण्टित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धि कम रही। शेष विभागों की प्रगति सन्तोषजनक रही। जिन विभागों की प्रगति कम एवं शून्य रही उनके प्रति अध्यक्ष ने नाराजगी जाहिर करते हुए सम्बन्धित विभागों को इस वित्तीय वर्ष 2025-26 की शेष अवधि में आवण्टित लक्ष्यों के विरुद्ध शत-प्रतिशत गुणात्मक एवं मात्रात्मक उपलब्धि अर्जित करने हेतु निर्देशित किया गया। जिन सूत्रों में बी अथवा सी श्रेणियां हैं उनसे सम्बन्धित विभागों को ए श्रेणी व शत-प्रतिशत उपलब्धि के साथ राज्य स्तर की रैंकिंग में जिला अजमेर अग्रणी जिला बने इस हेतु अभी से कार्य योजना बनाकर वित्तीय वर्ष के शेष रहे महीनों में शत-प्रतिशत मात्रात्मक गुणात्मक उपलब्धि अर्जित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

उपराष्ट्रपति की जीत पर अजमेर दरगाह में शुकराने की चादर पेश

■ इस मौके पर उनके साथ उनका पूरा दल मौजूद रहा, जिन्होंने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की ओर से यह चादर चढ़ाई, हाजी शकील सैफी के नेतृत्व में यह चादर पेश की

अजमेर(कासं)। भारत के 15 वें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन की शानदार जीत के बाद, वर्ल्ड पीस हार्मनी के चेयरमैन हाजी शकील सैफी ने अजमेर शरीफ दरगाह में शुक्राने की चादर पेश की। इस मौके पर उनके साथ उनका पूरा दल मौजूद रहा, जिन्होंने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की ओर से यह चादर चढ़ाई, हाजी शकील सैफी के नेतृत्व में यह चादर पेश की।

इस दौरान, सैफी ने उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन की जीत को देश की प्रगति और एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया, उन्होंने कहा कि 'सीपी राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति बनना राष्ट्रीय एकता और विकास के लिए एक सकारात्मक संदेश है। उनकी जीत देश के संवैधानिक मूल्यों को और मजबूत करेगी।' इस अवसर पर उन्होंने ख्वाजा साहब की दरगाह पर देश की खुशहाली और शांति के लिए दुआएं भी मांगी। चादर चढ़ाने के बाद हाजी शकील सैफी और उनका दल ऑल इंडिया सज्जादानशीन काउंसिल के कार्यालय पहुंचे, जहां काउंसिल के चेयरमैन सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सैयद नसीरुद्दीन चिश्ती ने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को उनकी जीत पर हार्दिक बधाई दी।

उन्होंने कहा, राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति के रूप में चयन देश के लिए गर्व का विषय है। उनकी अनुभवी नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय विचारधारा भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को और मजबूत करेगी।' सैयद नसीरुद्दीन ने इस अवसर पर एकता और शांति का संदेश देते हुए कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की शिक्षाएं हमें समाज में प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करती हैं।

आम सूचना

क्रमांक-05/2025 दिनांक-1/09/ 2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पक्षकार श्री गणेश लाल सोनी पुत्र स्व. श्री जगनाथ सोनी जाति सोनी निवासी मकान नं. 01, महादेव मंदिर के पास, मुकाम - गुढा, तहसील - नाथद्वारा जिलाराजसमंद (राजस्थान) ने अपने पुत्र संजय सोनी व उसकी पत्नि सीमा सोनी जो कि मेरे पक्षकार के कहने में नहीं है तथा मेरे पक्षकार के पुत्र व पुत्र वधु गलत व्यवहार के कारण मेरे पक्षकार ने अपनी तमाम चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है अब मेरे उपरोक्त पक्षकार का संजय सोनी व उसकी पत्नि सीमा सोनी से कोई लेना-देना नहीं है व नहीं रहा है तथा किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध नहीं रखा है। अत: इस आम सूचना के जरिये हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के पुत्र संजय सोनी व उसकी पत्नि सीमा सोनी से कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन, संव्यवहार किसी भी रूप में करता है तो मेरे उपरोक्त पक्षकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी एवं उसके लिए पुत्र संजय सोनी व उसकी पत्नि सीमा सोनी से लेन-देन, संव्यवहार करने वाला व्यक्ति ही जिम्मेदार रहेगा। अत: सभी सूचित रहे एवं सावधान रहें। -परमेन्द्र सिंह राठौड़ एडवोकेट बिजयनगर मो- 9509557339

संभागीय आयुक्त ने जल भराव प्रभावित क्षेत्र का किया निरीक्षण

■ संभागीय आयुक्त ने क्षतिग्रस्त आवासों को स्वयं देखा और प्रभावित परिवारों को ढांढस बंधाया, उन्होंने कहा कि सर्वे के आधार पर पात्र परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा

अजमेर (कासं)। संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने गुरुवार को बोराज तालाब की पाल टूटने से हुए जलभराव के बाद प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। वे स्वास्तिक नगर एवं आसपास की कॉलोनियों में पहुंचे और वहां के जल प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना।

संभागीय आयुक्त ने क्षतिग्रस्त आवासों को स्वयं देखा और प्रभावित परिवारों को ढांढस बंधाया, उन्होंने कहा कि सर्वे के आधार पर पात्र परिवारों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बोराज तालाब की पाल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि भविष्य में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए पुख्ता जल निकासी व्यवस्था की जाए तथा पाल की मरम्मत कार्य को प्राथमिकता से पूरा किया जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने भोजन, पानी, दवा एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की और कहा कि किसी भी प्रभावित परिवार को आवश्यक सुविधा से वंचित नहीं रहने दिया जाए। उन्होंने मुआवजा आवेदन के लिए लगाए गए सेवा केंद्र का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत की, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा क्षति का नियमानुसार मूल्यांकन कर सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी गरिमा नरूला , नगर निगम उपायुक्त अनीता चौधरी, तहसीलदार ओम सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन राज.

E-mail – npparbatsar@gmail.com Phone No. 01589-270141

क्रमांकः-नपाप./स्टोर षाखा/2025-26/1757 दिनांकः- 08.09.2025

निविदा सूचना

नगरपालिका परबतसर के द्वारा नियमानुसार बोनाफाइड/अधिकृत ईच्छुक एवं अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है । कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 16.09.2025 को 10:00AM बजे से है तथा शेष विवरण व निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB UBN NO : DLB2526A5569

UBN NO :

DLB2526SSOB17072

राज.संवाद/सी/25/9710 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका परबतसर

अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कुमारी पुष्पा खबर पुत्री स्व. श्री खान चंद ने ग्राम थोक मालियान 2 के खसरा नम्बर 7269 मिन, 7288 मिन, 7289 मिन, 7271 मिन भूखण्ड संख्या 65 में क्षेत्रफल 183.64 वर्गमीटर के भूखण्ड की लीज डीड हेतु आवेदन किया है। इस आम सूचना के प्रकाशन द्वारा उक्त भूखण्ड की लीज डीड कुमारी पुष्पा खबर पुत्री स्व. श्री खान चंद के पक्ष में जारी करने पर आपत्ति आमंत्रित की जाती है। भूखण्ड का विवरण निम्न प्रकार है-

सीमाऐ	नाप
उत्तर : अन्य की सम्पति	30'5 फीट
दक्षिण : रोड 24 फीट	29'6 फीट
पूर्व : भूखण्ड संख्या 66	62'3 फीट
पश्चिम : भूखण्ड संख्या 64	69'9 फीट

किसी भी व्यक्ति/संस्था/ कम्पनी को उक्त लीज डीड जारी करने पर आपति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस की अवधि के भीतर अजमेर विकास प्राधिकरण के उपायुक्त जोन (दक्षिण) के समक्ष अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा प्रकरण में नियमानुसार आगामी कार्यवाही संपादित की जाएगी। -उपायुक्त (दक्षिण) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

शिविर कार्यक्रम जारी

ब्यावर (निसं) जिला कलक्टर कमल राम मीना ने बताया कि जिले में 17 सितम्बर, से प्रत्येक पंचायत समिति की प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर ठामीण सेवा शिविर एवं सहकार सदस्यता अभियान का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित करना तथा सहकारिता की भावना को मजबूत करना है।

ग्रामीण सेवा शिविरों के नोडल अधिकारी नियुक्त

अजमेर(कासं)। ग्रामीण सेवा शिविरों का आयोजन आगामी 17 सितम्बर से आरम्भ होगा। इनके सफल आयोजन के लिए जिला कलेक्टर लोक बन्धु द्वारा नोडल अधिकारी नामित किए गए है। अतिरिक्त कलक्टर (प्रशासन) ज्योति ककवानी नोडल अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद निशा सहारण सहायक नोडल अधिकारी, संयुक्त निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग फूल सिंह सहायक नोडल अधिकारी, एनालिस्ट कम प्रोठाामर संजय अलुदिया तकनीकी नोडल अधिकारी होंगे। उपखण्ड अधिकारियों को सम्बन्धित क्षेत्र का शिविर प्रभारी एवं विकास अधिकारी को सम्बन्धित क्षेत्र का सहायक शिविर प्रभारी नामित किया गया है।

आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। अदालत ने धोखाधड़ी करने के आरोपी के खिलाफ मदनगंज थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। पीड़ित पांचूलाल ने एडवोकेट आस्था बैरवा के जरिये न्यायालय में परिवाद पेश कर न्याय की गुहार लगाई। इसका कहना है की 20 फरवरी 2025 को श्रीनगर निवासी भवानीनाथ व कालाभाटा श्रीनगर निवासी मोनू बैरवा ने 5 लाख 30 हजार रूपये में मेरा ट्रक खरीद का सौदा किया। दस हजार रूपये बतौर साई पेटे देकर ट्रक पर भवानी ने कब्जा कर बकाया राशि 15 अप्रैल तक देने पर सहमति जताई। इस बिच भवानी ने 9 अप्रैल को सुनियोजित षड़यंत्र के तहत धोखाधड़ी पूर्वक उपरोक्त वाहन का विक्रय इकारनामा निष्पादित करा लिया। कहा ट्रक मोनू बैरवा के नाम कराना है। भुगतान के पेटे बैंक चैक दिया तो चैक रिटर्न हो गया।

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर, राजस्थान

क्रमांक: न.प.बि./नामा/2025/3178 आम सूचना दिनांक: 11/9/25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाम	प्रयोजनार्थ
99	1.श्रीमती सुमन सोनी पत्नि ओमप्रकाश सोनी 2. श्रीमती सरोज पत्नि वेदप्रकाश सोनी	आबादी क्षेत्र बालाजी रोड बिजयनगर ब्लॉक नं. 32 भू.सं. 02 व 03 का उत्तरी पूर्वी भाग	41.106 SQ.MTR	व्यवसायिक

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर, राजस्थान

क्रमांक: न.प.बि./नामा/2025/3098 आम सूचना दिनांक: 10/9/25

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लाट गृहकर पंजिका में अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है। अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं,बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नामान्तरण

फाईल नं.	आवेदक नाम	मूल आवंटी/नामान्तरण	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाम	प्रयोजनार्थ
155	मनोरमा देवी पत्नी अमीचन्द सांड	नेमीचंद पुत्र मिलापचंद सांड	आबादी क्षेत्र नाडी मौहल्ला ब्लॉक नं. 87 भू.सं. 03 का उत्तरी हिस्सा बिजयनगर	236.11 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

राजस्थान पेंशनर समाज की मासिक मीटिंग

■ सदन में पेंशन एवं पेंशनर कल्याण क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर से गोपाल चंद्र ओझा अतिरिक्त निदेशक एवं उनके साथ पूर्व अतिरिक्त निदेशक पेंशन क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर नरेंद्र कुमार माथुर भी आये

ब्यावर (निसं) राजस्थान पेंशनर समाज जिला शाखा ब्यावर की मासिक मीटिंग अध्यक्ष नारायण सिंह पंवार की अध्यक्षता में राज दरबार गार्डन एवं राज रेस्टोरेंट मसूदा रोड में संपन्न हुई। आज की मीटिंग का प्रारंभ राधेश्याम रांकावत एवं शांतिलाल लवासिया द्वारा वाद्य यंत्रों के साथ गणेश वंदना :- गणेश जी पधारो के साथ हुई। उनके द्वारा एक मधुर गीत ''मेरी झोपड़ी के भाग जाग जाएंगे राम आएंगे'' की प्रस्तुति हुई सभी सदस्यों से अपनी समस्याओं को रखने के लिए बोला जिसमें कुछ समस्याएं मौखिक आई थी उनका समाधान अध्यक्ष महोदय ने उसी वक्त सदन में ही कर दिया।

सदन में पेंशन एवं पेंशनर कल्याण क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर से गोपाल चंद्र ओझा अतिरिक्त निदेशक एवं उनके साथ पूर्व अतिरिक्त निदेशक पेंशन क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर नरेंद्र कुमार माथुर भी आये। इन दोनों का पेंशनर समाज ब्यावर की तरफ से अध्यक्ष नारायण सिंह पवार , मुख्य संरक्षक सत्यनारायण सांखला , वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुलाम सरवर , जिला मंत्री हेमंत दीक्षित , बड़ाखेड़ा उप शाखा के अध्यक्ष बसंत सिंह चौहान एवं मसूदा उप शाखा के अध्यक्ष जगदीश चंद्र राजपुरोहित आदि ने माल्यार्पण कर स्वागत किया । ओझा अतिरिक्त निदेशक ने उपस्थित पेंशनर भाइयों को विश्वास दिलाया कि हमारे क्षेत्रीयकार्यालय से संबंधित ब्यावर जिला का यदि कोई केस आता है तो हम प्रथम वरियता से उन कार्यों को पूर्ण करने का प्रयास करेंगे । जिसमें पेंशनरों के पी पी ओ आर्डर में कोई संशोधन हो अथवा फैमिली पेंशनर के क्रम में यदि कोई जन्म तिथि के अंकन का मैटर हो सभी को यथाशीघ्र निपटा दिया जाएगा । उन्होंने बताया की बहुत जल्दी ब्यावर जिले में एक शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें पेंशनरों से संबंधित विभिन्न समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। पूर्व अतिरिक्त निदेशक पेंशनर समाज क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी पेंशनर भाइयों बहनों को अपने डॉक्यूमेंट जिसमें आधार कार्ड ,पैन कार्ड ,जन आधार कार्ड आदि में लिखित नाम सरनेम जन्म तिथि आदि में समानता एवं एकरूपता होनी चाहिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत आकोड़िया पंचायत समिति अरांई, अजमेर

क्रमांक: ग्रा.पं. आ/2025-26/65 ई-निविदा सूचना संख्या 03/2025-26 दिनांक-10/09/2025

ग्राम पंचायत आकोड़िया के द्वारा वित्तिय वर्ष 2025-26 में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एंव अन्य विभिन्न योजनाओं के संचालित कार्यों के लिए निर्माण सामग्री (यथा ग्रेवल, क्रेरी, रबिश, ईट प्रथम श्रेणी, पत्थर, रेत/बजरी, केशर, ब्रोकन, गिटटी, सीमेन्ट, चूना, पटिटया, वाईडिग वायर, चिनाई खरंचा पत्थर, लोहे के दरवाजे एंव खिडकिया, एनेमल पेंट आदि सामग्री, पानी टेंकर सप्लाई एंव किराये पर सीमेन्ट कंकरीट मिक्सर, रोड रोलर, सीमेन्ट कांकरिट इन्टरलॉकिग ब्लॉक आदि) की वार्षिक दर संविदा/दर अनुबन्ध करने हेतु ई-प्रोक्यूरमेंट पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त निविदाएं हेतु पोर्टल वेब http:www.sppp.rajasthan.gov.in/http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदाएं निविदा खोलने की दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

क्र. सं.	ग्राम पंचायत	NIB NO	UBN NO	TENDER Id
	आकोड़िया	ZAJ2526A1132	ZAJ2526GLRC01214	2025_PRD_499976_1

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत आकोड़िया, पं.स.अरांई, जिला अजमेर

प्रशासक ग्राम पंचायत आकोड़िया पं.स.अरांई, जिला अजमेर

मेरा मानना है कि ये कांबिनेशनल आगे चलकर मजबूत टीम के खिलाफ कारगर साबित नहीं होगा। साथ ही सवाल है कि क्या डेथ ओवर्स में हार्दिक पंड्या कारगर साबित हो सकते हैं?

- इरफान पठान

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, हार्दिक पांड्या के चयन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

जापान की राजधानी टोक्यो में 13 सितंबर से 21 सितंबर के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन होना है। इसमें भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम प्रतिस्पर्धा करेंगे। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फिर से पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल की तरह मुकाबले के लिए तैयार है। वहीं इस टूर्नामेंट में भारत की तरफ से 19 सदस्यीय भारतीय टीम हिस्सा लेगी जबकि पाकिस्तान की तरफ से नदीम एकमात्र एथलीट हैं। नीरज चोपड़ा और नदीम के बीच प्रतिद्वंद्विता पड़ोसी मुल्कों के बीच प्रतिस्पर्धा का नया अध्याय होगा।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम पूर्ण सदस्य देश के रूप में टी-20 फॉर्मेट वाले एशिया कप में सबसे ज्यादा गेंद शेष रहते जीत दर्ज करने वाली टीम बन गई है।

सचिन ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद की दौड़ की अफवाहों को किया खारिज

मुम्बई, 11 सितंबर। दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होने अफवाहों को सिरे से खारिज किया है। तेंदुलकर के बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने की अटकलों के बीच, एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा है, "हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या उन्हें नामित किए जाने की अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।"

तेंदुलकर स्वयं टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे, लेकिन उनकी टीम ने मीडिया से इस तरह की अटकल बाजी से बचने का अनुरोध किया। बयान में कहा गया, "हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान न दें।"

बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव 28 सितंबर को होने हैं, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए मतदान होगा। बोर्ड के भीतर आम धारणा के अनुसार मौजूदा सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव रोहन गौस देसाई और कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटी अपने पदों पर बने रहेंगे।

अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदों के साथ-साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष की भूमिका को लेकर भी बड़े सवाल उठ रहे हैं। राजीव शुक्ला वर्तमान उपाध्यक्ष हैं, और हो सकते है कि वे किसी न किसी रूप में बीसीसीआई का हिस्सा बने रहें। शुक्रवार को राज्य संघों के लिए वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के लिए अपने प्रतिनिधियों के नाम दाखिल करने की अंतिम तिथि है। इस सूची से यह संकेत मिल सकता है कि बड़े पदों के लिए कौन-कौन दावेदार हैं।

बांग्लादेश ने एशिया कप 2025 में पहला मैच जीता, हांगकांग को 7 विकेट से हराया

अबु धाबी, 11 सितम्बर। बांग्लादेश ने एशिया कप 2025 में जीत से शुरुआत की है। टीम ने गुरुवार को हॉन्ग कॉन्ग को 7 विकेट से हराया। टीम ने 144 रन का टारगेट 17.4 ओवर में 3 विकेट पर चेज किया। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हॉन्ग कॉन्ग ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन बनाए थे। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने 59 और तौहीद हृदॉय नाबाद 35 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी की।

परवेज हुसैन इमोन 19 और तंजीद हसन 14 रन बनाकर आउट हुए। अतीक इकबाल और आयुष शुक्ला को एक-एक विकेट मिला। आयुष ने हॉन्ग कॉन्ग की ओर से 50 विकेट भी पूरे कर लिए। हॉन्ग कॉन्ग के निजाकत खान 42 रन, जीशान अली 30 रन और कप्तान यासिम मुर्तजा 28 रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश से तस्कीन अहमद, तंजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट झटके। रिशाद ने टी-20 इंटरनेशनल में 50 विकेट पूरे किए। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हॉन्ग कॉन्ग ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन बनाए। निजाकत खान 42 रन, जीशान अली 30 रन और कप्तान यासिम मुर्तजा 28 रन बनाकर आउट हुए।

बांग्लादेश से तस्कीन अहमद, तंजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट झटके। रिशाद ने टी-20 इंटरनेशनल में 50 विकेट पूरे किए। हॉन्गकॉन्ग की ओर से सबसे बड़ी पारी निजाकत खान ने खेली। उन्होंने 40 गेंदों पर 42 रन बनाए।

कार्यालय नगरपालिका पोकरण जिला जैसलमेर राजस्थान (345021)

क्रमांक/नपापो/25/3019 दिनांक :– 04.09.2025

-:: ई-निविदा सूचना ::-

नगरपालिका पोकरण की ओर से नगरपालिका पोकरण सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्य हेतु ऑनलाईन द्वि-पक्रमी बोली अनुसार निविदाएं आमत्रित की जाती है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी । समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगरपालिका पोकरण में सक्षम संवेदकों द्वारा 2 प्रतिशत का बैंक ड्राफ्ट/ बैकर चैक अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण एवं टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार/– रू0 M.D. RISL JAIPUR के नाम से देना होगा। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB NO- DLB 2526A5497
UBN NO- DLB2526WSOB16768 TO 16771

अध्यक्ष नगरपालिका पोकरण | अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण

राज.संवाद/सी/25/9724

कार्यालय (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः– ननिको द./वि0/2025/550–558 दिनांक 08.09.2025

-:: संशोधित ई-निविदा सूचना ::-

तकनीकी कारण से इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक ननिको द./वि0/2025/499–507 दिनांक 21.08.2025 को जारी की गई निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है–

1. निविदा अपलोड करने की तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
2. धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस
3. प्राप्त के साक्ष्य प्राप्ती तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
4. निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 3 बजे तक)
5. वित्तिय बिड खोलने की तिथि : तकनीकी बिड परिक्षण पश्चात्

उक्तानुसार निविदा की तिथि बढाई जाती है एवं निविदा की कार्य संख्या 2 (स्वागत द्वारों पर LED VIDEO WALL) की शेड्यूल के आइटम डिस्क्रिप्शन में विडियो वॉल, आउटडोर P-3.9 की जगह P-4.8 पढ़ा जावे।

शेष शर्तें यथावत् रहेगी।

अधिशाषी अभियंता (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/9779

नहीं बिक रहे भारत-पाक मैच की टिकट, 14 को महामुकाबला

दुबई, 11 सितंबर। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर, रविवार को एशिया कप 2025 का महामुकाबला खेला जाएगा। अक्सर भारत-पाकिस्तान मैच की टिकट चंद घंटों में ही बिक जाती हैं, लेकिन इस बार लगता है कि इस मैच के लिए फैंस के अंदर बिल्कुल भी क्रेज नहीं है। इस मैच के अभी तक सारे टिकट नहीं बिके हैं ऐसा होने का मुख्य कारण टिकटों की कीमत है। लोगों को 2 टिकट खरीदने के लिए 2.5 लाख तक खर्च करने पड़ रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो महंगे टिकट प्राइज के कारण बिक्री पर फर्क पड़ा है। ईस्ट स्टैंड में दो वीआईपी टिकटों की कीमत 2.5 लाख रुपये है। इस टिकट को खरीदने पर बढ़िया व्यू वाली सीट मिलेगी, जिसके साथ खाने-पीने की व्यवस्था होगी। इस टिकट को खरीदने पर पार्किंग पास, वीआईपी लाउंज और रेस्टरूम भी मिलेगा।

खबरों की मानें तो रॉयल बॉक्स में टिकट की कीमत 2.3 लाख, स्काई बॉक्स के लिए 1.6 लाख रुपये देने होंगे। यहां तक कि प्लैटिनम टिकट की कीमत भी आसमान छू रही है, जो 75,659 रुपये में मिल रही है। सबसे सस्ती टिकट की बात करें तो दो सीट बुक करने के लिए आपको लगभग 10,000 रुपये खर्च करने होंगे।

अमीरात क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान मैच के टिकों की कम ब्रिकी से सभी अधिकारी चौंक गए हैं। उन्होंने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी के टिकट मात्र4 मिनट के भीतर बिक गए थे, लेकि इस बार स्थिति बहुत खराब है। अधिकारी ने आशंका जताते हुए कहा कि टिकटों की ब्रिकी कम होगा।

भारत-पाक क्रिकेट मैच रद्द करने की याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने एशिया कप के तहत 14 सितंबर को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान टी-20 क्रिकेट मैच को लोगों की भावना के खिलाफ बताते हुए इसे रद्द करने की मांग वाली एक याचिका पर शीघ्र सुनवाई के अनुरोध को गुरुवार को ठुकरा दिया। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने याचिकाकर्ता उर्वशी जैन और अन्य का अनुरोध ठुकराते हुए कहा, "मैच जारी रहना चाहिए। यह एक मैच है। इसे होने दीजिए।" याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने इस मामले को महत्वपूर्ण बताते हुए शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध किया था। याचिका में कहा गया है, "पाकिस्तान के साथ खेलने से यह संदेश गया है कि जहाँ हमारे सैनिक अपने प्राणों की आहुति दे रहे हैं, वहीं हम उसी देश के साथ खेल का जश्न मना रहे हैं जो आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। इससे उन पीड़ितों के परिवारों की भावनाएं भी आहत हो सकती हैं जिन्होंने पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथों अपनी जान गंवाई। राष्ट्र की गरिमा और नागरिकों की सुरक्षा मनोरंजन से पहले आती है।"

भारत से मुकाबले से पहले ओमान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करना चाहेगा पाकिस्तान

दुबई, 11 सितंबर। पाकिस्तान एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत शुक्रवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले टूर्नामेंट के चौथे मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने उतरेगा।

संयुक्त अरब अमीरात टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान शुक्रवार को टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतर रहा है।सलमान आगा की अगुवाई में टीम पिछले छह टी-20 मैचों में केवल एक बार हारी है और उसने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है। ओमान के साथ मुकाबला पाकिस्तानियों के लिए भारत के साथ होने वाले अहम मुकाबले से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने और लय बनाए रखने का एक अच्छा अवसर है।

टीम की बल्लेबाजी लाइनअप में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। सलामी बल्लेबाज सैम अयूब और साहिबजादा फरहान से आक्रामक शुरुआत की उम्मीद है, जबकि मध्यक्रम के दिग्गज फखर जमान और सलमान आगा पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। वहीं निचले क्रम की बात की जाये तो हसन नवाज, मोहम्मद हैरिस, मोहम्मद नवाज और फहीम अशरफ का कौशल टीम को अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने की सुविधा देता है।

पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई शाहीन अफरीदी करेंगे। अफरीदी की तेज गति, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज और सूफियान मुकीम के सहयोग के साथ पाकिस्तान दुबई की परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगा। पिच की अगर बात की जाये तो पारंपरिक रूप से सपाट और तेज आउटफील्ड वाली यह पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार है, हालाकि स्पिनर बीच के ओवरों में अहम भूमिका निभाने सकते है। इस पिच को लक्ष्य का पीछा करने वालों के लिए मददगार माना जाता है। पिछले दस टी-20 मैचों में से आठ में दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीत हासिल की है। पहली पारी का स्कोर आमतौर पर लगभग 170 होता है।

वहीं अगर ओमान की बात की जाये तो पाकिस्तान उसके सामने कड़ी चुनौती है। कप्तान जतिंदर सिंह अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों, आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा से स्थिरता की उम्मीद करेंगे।

कार्यालय नगरपालिका आकोला जिला चित्तौडगढ (राज.)

क्रमांक/न.पा.आ./निर्माण/2025–26/1475–1476 दिनांक : 08.09.2025

निविदा सूचना नं. 05/2025-26

नगरपालिका आकोला द्वारा निम्नांकित कार्यो के लिये नगरीय निकायों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अन्य विभागो में 'ए' एवं 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं निविदा प्रपत्र संवेदक sppp.rajasthan.gov.in, & eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें। उक्त निविदा वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code DLB2526A5643 पर देखे तथा निविदा का विवरण निम्न प्रकार है:–

कार्य निविदा के कार्य	कुल 01 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 49.90 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक व समय	दिनांक 15/09/2025 प्रातः 10.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 24/09/2025 सायं 06:00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक व समय	दिनांक 25/09/2025 दोपहर 3.00 बजे
	Unique Bid Number
1	DLB2526SLOB17279

राज.संवाद/सी/25/9662 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला-पाली

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025–26/5368 दिनांक : 09.09.2025

-: अल्पकालीन ई-निविदा 10/2025-26 सूचना :-

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 13 विकास कार्यो की कुल लागत 195.00 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित है:–

1. DLB2526WSOB17175
2. DLB2526WSOB17179
3. DLB2526WSOB17181
4. DLB2526WSOB17185
5. DLB2526WSOB17186
6. DLB2526WSOB17188
7. DLB2526WSOB17189
8. DLB2526WSOB17191
9. DLB2526WSOB17192
10. DLB2526WSOB17193
11. DLB2526WSOB17194
12. DLB2526WSOB17196
13. DLB2526WSOB17197

Bid Selling Last Date 16-09-2025/10.00 AM

राज.संवाद/सी/25/9679 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

राज्य स्तरीय अंडर-19 ट्रॉफी

कुशाग्र ओझा, असद उमर का शतक

जयपुर, 11 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :- जयपुर, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, कोटा, राजसमंद, धौलपुर, चित्तोड़, करौली, बांसवाड़ा, जालोर, श्रीगंगानगर, झुंझनू, सीकर, भरतपुर जीती। सचिन लखेसर, वरदान शर्मा शतक से चुके, आर्यमान शर्मा, सुमित सालवी, अंशु, पृथ्वी सिंह, शौर्य शाह, आदित्य भाम्भू चिराग व अभिषेक मूँद की शानदार गेंदबाजी। हर्षित शर्मा व रक्षित श्रीमाल का आल राउंडर प्रदर्शन।

महिला एशिया कप 2025 के सुपर 4 मैच में भारतीय टीम मेजबान चीन से 1-4 से हारी

हांगझोऊ (चीन), 11 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम गुरुवार को महिला एशिया कप 2025 के अपने दूसरे सुपर4 पूल मैच में मेजबान चीन से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही चीन ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। वहीं भारतीय टीम आगामी मुकाबले में जापान को हराकर फाइनल में पहुंच सकती है। आज यहां खेले गये मुकाबल में भारत की ओर से मुमताज खान (38वें मिनट) में एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं, जबकि ज़ू मीरोंग (4वें मिनट, 56वें मिनट), चेन यांग (31वें मिनट) और टैन जिनझुआंग (47वें मिनट) ने चीन के लिए गोल किए। पहला क्वार्टर बेहद रोमांचक रहा, इस दौरान दोनों टीमों ने सर्कल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अच्छे मौके बनाए, हालांकि, शुरुआत में ही चीन ने चौथे मिनट में पहला गोल कर दिया। इस दौरान भारत ने एक अच्छा बचाव किया, लेकिन रिबाउंड पर गेंद ज़ू मीरोंग के पास पहुंची और उन्होंने उसे खाली पड़े गोलपोस्ट में डाल दिया। भारत ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए। भारत ने 10वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वे गोल करने में विफल रहे। दूसरे क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। पहले हाफ के आखिरी पांच मिनटों में भारत ने खेल की गति बढ़ा दी और चीनी रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया और गेंद पर कब्जा जमाकर अपना पहला गोल करने की कोशिश की। 27वें मिनट में भारत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वह भी गोल नहीं कर पाये। तीसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में चीन ने एक और गोल करके अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। यह गोल चेन यांग (31वें मिनट) में किया। मुमताज खान (38वें मिनट) ने भारत के लिए एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर 1-2 से बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने सर्कल के किनारे गेंद उन्हें पास की, जहाँ से उन्होंने दूर से एक शक्तिशाली बैक-हैंड शॉट लगाकर भारत के लिए पहला गोल दागा।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 11 सितंबर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में रामेश्वर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 96 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं विराट शर्मा ने 29 और दीपेश ने 20 रनों का योगदान दिया! अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन ने तीन विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी ने 34 ओवर में 97 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली रीना ने सर्वाधिक 22 रनों का योगदान दियारामेश्वर क्रिकेट अकादमी की ओर से विराट शर्मा ने दो विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच लखन को चुना गया।

पूजा रानी, जैस्मीन लाम्बोरिया सेमीफाइनल में, भारत के लिए दो पदक पक्के किए

लिवरपूल, 11 सितंबर। दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा रानी और जैस्मीन लाम्बोरिया ने विपरीत जीत दर्ज करते हुए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसी के साथ इन दोनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए दो और पदक पक्के कर दिये है। पूजा रानी ने महिलाओं के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में पोलैंड की एमिलिया कोटर्सका को 3:2 से हराया।

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

क्रमांकः– एफ.10/2025–26/5132 दिनांकः– 09.09.2025

:: अल्पकालिन ई-निविदा सूचना ::

(UB NO. DLB2526WSOB17120)

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

महापौर नगर निगम जोधपुर–दक्षिण | आयुक्त नगर निगम जोधपुर–दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/9797

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी0ए0डी0 सर्किल, कोटा

Website : www.kotamc.org, Email : nnksouth@gmail.com , Tel. pho. 0744-2502142

क्रमांकः– ननि (दक्षिण) को/उपा.रा./2025/7667–79 दिनांकः– 08.09.2025

-:: ई-निविदा सूचना ::-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा कार्यादेश से एक वर्ष (2025–26) तक के लिये 2 Bid 2 Stage (पद्धति) के अनुसार ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग फीस	धरोहर राशि 2%	ठेका आरक्षित राशि
1	डिवाईडर पोल एवं साईड विद्युत पोल पर लघु विज्ञापन पट्ट कियोस्क पार्ट "ए" (साईज 30" X 40") वर्ग इंच दो तरफा सूची संलग्न	1500/–	500/–	27390/–	13,69,500/–

इस हेतु इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ऐजेन्सी निविदा प्रपत्र एवं शर्ते नगर निगम की वेब साईट https://urban.rajasthan.gov.in/content/raj/udh/nagar-nigam-kota-south/en/home-html एवं http://sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in/ से देख एवं डाउनलोड कर सकते है तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में निगम कार्यालय में देखी जा सकती है।

ऑनलाईन निविदा अपलोड करने की दिनांक	11.09.2025 से 01.10.2025 तक सांय 06.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की दिनांक	11.09.2025 से 01.10.2025 तक सांय 06.00 बजे तक
अपेक्षित डी0डी0 एवं दस्तावेज जमा कराने की दिनांक	03.10.2025 सांय 04.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा की तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	06.10.2025 सांय 03.00 बजे तक
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनीकी बिड की प्रशासनिक स्वीकृति के उपरांत

उपरोक्त कार्य के लिये निर्धारित निविदा शुल्क एवं धरोहर राषि का डी.डी. आयुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण के नाम तथा प्रोसेसिंग फीस का डी0डी0 "मैनेजिंग डायरेक्टर" आर0आई0एसएल0 जयपुर के नाम निर्धारित दिनांक 03.10.2025 को सांय 4.00 बजे तक अनुसार राजीव गांधी भवन नगर निगम कोटा दक्षिण के "ए" ब्लॉक में प्रथमतल पर कमरा नं0 238 में पहुंच जाना चाहिये। उक्त निविदा नियत तिथि को ऑनलाईन खोली जावेगी। स्वीकृत ठेका राशि पर 18% GST एंव किसी भी प्रकार का प्रचलित कर संवेदक स्वंय को वहन करना होगा।

नोटः–

1. उक्त राशि एक वर्ष हेतु निर्धारित है जिसके लिये संवेदक को सम्बन्धित कार्य की एक मुश्त राशि जमा करानी होगी। तत्पश्चात् ही कार्य की अनुमति प्रदान की जावेगी, अन्यथा ठेका निरस्त करते हुए पुनः निविदा जारी कर दी जावेगी जिसके लिए किसी तरह का कोई अभ्यावेदन/आपत्ति स्वीकार नही होगी।
2. केन्द्रीय/राज्य सरकार/स्वायत्तशासी निकायों/निगम/बोर्ड/सार्वजनिक उपक्रम का बकायादार एवं ब्लैक लिस्टेड फर्म/संवेदक निविदा में भाग नही ले सकेगा।

उपायुक्त राजस्व नगर निगम कोटा (दक्षिण)

राज.संवाद/सी/25/9776

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025

राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट

पाँचवाँ चरण

ऑनलाइन पोर्टल पर दिनांक 12.09.2025 (प्रात: 10:00 बजे) से 26.09.2025 (सायं 6 बजे) तक आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों का आवंटन आरक्षित मूल्य पर | ई-लॉटरी 03 अक्टूबर, 2025

103	6,350	5,522	40
औद्योगिक क्षेत्र	कुल औद्योगिक भूखण्ड	अनारक्षित भूखण्ड	लॉजिस्टिक भूखण्ड

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड

247	236	123	153	69
अनुसूचित जाति/जनजाति	महिला वर्ग	भूतपूर्व सैनिक	बेंचमार्क दिव्यांगता	सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित

आवंटन की प्रक्रिया

एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

आवेदन हेतु स्कैन करें

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

पात्रता - निवेशक जिन्होंने 27/08/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस योजना में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।

भूखण्ड की राशि का भुगतान

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

या

RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

औद्योगिक क्षेत्रों में नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों के आवंटन से संबंधित पॉलिसी riico.rajasthan.gov.in पर देखें।

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए https://riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।

*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005

हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in

riico.rajasthan.gov.in · ricogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

राज.संवाद/सी/25/9787

धमाकेदार एक्शन वाले मुकाबलों के लिए जयपुर लौटा प्रो कबड्डी लीग सीजन-12

जयपुर, 11 सितंबर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 गुलाबी नगरी जयपुर में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि मौजूदा सीजन का एक्शन विशाखापट्टनम से एसएमएस इंडोर स्टेडियम में शिफ्ट हो रहा है। शुक्रवार से जयपुर इस सीजन के दूसरे चरण की मेजबानी करेगा।

आखिरी बार पीकेएल का आयोजन जनवरी 2024 में जयपुर में हुआ था, और शहर के उत्साही कबड्डी प्रशंसक अपने प्रिय जयपुर पिंक पैंथर्स को एक बार फिर घरेलू मैदान पर खेलते देखने के लिए उत्सुक हैं। 2014 में पहला पीकेएल खिताब और सीजन 9 में अपनी दूसरी चैंपियनशिप जीतने वाली यह टीम घरेलू मैदान पर अपने फायदे और अपने वफादार प्रशंसकों के अटूट समर्थन का फायदा उठाने का प्रयास करेगी।

पीकेएल सीजन 12 का जयपुर चरण 12 सितंबर से 27 सितंबर तक चलेगा, जिसमें 12 टीमों के बीच कई मैच खेले जाएंगे। यह चरण 11 सितंबर को विशाखापत्तनम चरण के समापन के बाद आया है, जिसमें पुनेरी पलटन, दबंग दिल्ली के.सी., तेलुगु टाइटन्स और यू मुंबा ने सीजन 12 में अपने दबदबे के शुरुआती संकेत दिए हैं।

जयपुर लेग के शुभारंभ पर मशाल स्पोर्ट्स के बिज़नेस हेड और पीकेएल के लीग चेयरमैन अनुपम गोस्वामी ने कहा, भारत खेल जगत में विकसित हो रहा है, विभिन्न खेलों में नई लीग उभर रही हैं। प्रासंगिक बने रहने के लिए, हमें इनोवेशन करना होगा। यही वजह है कि पीकेएल ने अपने फॉर्मेट में बदलाव किया है ताकि इसे प्रशंसकों के लिए और अधिक रोमांचक और खिलाड़ियों के लिए प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। अब हम इस गति को जयपुर में भी जारी रखने के लिए उत्सुक हैं। घरेलू टीम जयपुर पिंक पैंथर्स के कप्तान नितिन रावल ने कहा, हमने सीजन की शानदार शुरुआत की है - दो जीत पहले ही हासिल कर ली हैं और दो बेहद करीबी मैच जो हमारे पक्ष में जा सकते थे। टीम संतुलित और आत्मविश्वास से भरी दिख रही है।

मुख्यमंत्री भजन लाल ने शहरी सेवा शिविर के लिए निर्देश दिये

उन्होंने कहा कि इन शिविरों में नागरिकों से जुड़े प्रकरणों का मौके पर समाधान किया जायेगा

जयपुर, 11 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शहरी सेवा शिविर का आयोजन करने जा रही है। 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत शहरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के साथ ही शिविर में जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर शहर-कस्बे में इसका व्यापक असर दिखाई दे, इसके लिए अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना और उनसे जुड़े प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करना है। इसके लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक विशेष पोर्टल भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर के संबंध में विभाग द्वारा समग्र जानकारी की मार्गदर्शिका भी तैयार की जाए।

उल्लेखनीय है कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर चलने वाले इस अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर और मैनहोल की मरम्मत की जाएगी एवं प्रमुख चौराहों, पार्कों, सामुदायिक केन्द्रों और सार्वजनिक स्थलों का सौन्दर्यीकरण होगा।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति दी जाएगी।

- **शिविर से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था, सुनिश्चित करें तथा नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर व मैन होल की मरम्मत करायें।**

उल्लेखनीय है कि पहले 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक शहरी सेवा शिविर का आयोजन प्रस्तावित था, लेकिन अब इस अभियान की अवधि में विस्तार किया गया है, जिसके तहत अब यह शिविर15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

'खुले बाजार में पदों की नीलामी हो रही है'

हैदराबाद, 11 सितंबर। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार ग्रुप-एक के पदों को बेचकर तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं को धोखा दे रही है।

राव ने गुरुवार के अपने बयान में कथित घोटाले के लिए एक न्यायिक जांच और पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। राव ने रिपोर्टों

- **बीआरएस के अध्यक्ष, के.टी. रामाराव ने तेलंगाना सरकार पर नौकरियां बेचने का आरोप लगाया।**

और छात्रों के आरोपों को लेकर चिंता व्यक्ति की, जिनमें कहा गया है कि नौकरियों के लिए भारी मात्रा में धन की मांग की गई थी और दावा किया कि सरकार ने "खुले बाजार में पदों की नीलामी की।"

उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थी, जिन्होंने अपने सालों की मेहनत और संसाधन लगाये हैं, को अपनी उम्मीदें कुचली नजर आ रही हैं। उच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए राव ने मांग की कि ग्रुप-एक प्रारंभिक परीक्षा बिना अनियमितता के दोबारा करायी जाये।

सीआरपीएफ का आरोप, सुरक्षा प्रोटोकॉल को नहीं मान रहे राहुल

कांग्रेस ने सीआरपीएफ की रिपोर्ट को राहुल का आंदोलन रोकने की कोशिश करार दिया

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि गांधी विदेश यात्रा पर जाते हैं लेकिन इसकी सूचना नहीं दी जाती है जो सरासर सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस संबंध में सीआरपीएफ की तरफ से पत्र लिखकर कहा गया है कि गांधी सुरक्षा प्रोटोकॉल को नहीं मान रहे हैं और बिना सूचना दिये विदेश यात्रा कर रहे हैं। सुरक्षा बल ने इसे सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताते हुए स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि इससे परेशान होकर यह पत्र लिखना पड़ रहा है।

सीआरपीएफ के वीवीआईपी सुरक्षा प्रमुख सुनील जून ने खड़गे को बुधवार को लिखे पत्र में लिखा है कि गांधी अपनी सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

गांधी की इस साल की विदेश यात्राओं का विस्तारपूर्वक जिक्र करते हुए जून ने कहा है कि पिछले नौ माह में

- **सीआरपीएफ ने कहा, राहुल विदेश यात्रा की जानकारी भी नहीं देते हैं और भीड़ से मिलते हैं।**
- **कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा यह राहुल को डराने की कोशिश है असल में सरकार राहुल की वोट चोरी विरोधी मुहिम से डर गई है।**

गांधी छह बार विदेश यात्रा कर चुके हैं। पत्र में बताया गया है कि गांधी 30 दिसंबर 2024 से नौ जनवरी 2025 तक इटली की यात्रा पर गये थे। फिर 12 से 17 मार्च तक वियतनाम, 17 से 23 अप्रैल तक दुबई, 11 से 18 जून तक कतर, 25 जून से छह जुलाई तक लंदन और हाल ही में चार दिन के लिए मलेशिया की यात्रा पर गये थे।

सीआरपीएफ द्वारा पत्र को सार्वजनिक करने और इसकी टाइमिंग को लेकर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे गांधी को डराने की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने गुरुवार को पत्र का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ के पत्र भेजने का समय और उसे तुरंत सार्वजनिक करने की मंशा परेशान करने वाली है। उनका कहना है कि गांधी के सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर लिखे पत्र और उसे सार्वजनिक करने का समय सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा, """"यह पत्र ऐसे समय में आया है जब गांधी चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा द्वारा की जा रही वोट चोरी के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं। क्या यह विपक्ष के नेता को डराने की एक छिपी हुई कोशिश है, जिन्होंने पहले ही एक और खुलासे की घोषणा कर दी है। क्या सरकार उनके द्वारा उजागर किये जाने वाले सच से घबरा गयी है।""""

गौरतलब है कि गांधी को ज़ैड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है जो गंभीर खतरे की आशंका वाले व्यक्तियों को प्रदान की जाती है।

मुख्यमंत्री ने सेवा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन कार्यक्रम के दौरान उस समय अचानक माहौल गर्मा गया, जब प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल कार्यशाला के पहले सत्र के बाद नाराज़गी के भाव में बिना मंच साझा किए ही निकल गए।

सूत्रों के अनुसार, कार्यशाला में कम उपस्थिति को लेकर प्रभारी नाखुश थे। उन्होंने मंच से ही कहा कि "जो पार्टी का काम नहीं करना चाहता, उसे पार्टी में भी स्थान नहीं मिलना चाहिए।" उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से बिना बताए अनुपस्थित रहे सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों से लिखित जवाब मांगने की बात कही। कार्यशाला में केवल 5 सांसद, 72 विधायक, 42 प्रत्याशी और 13 जिलाध्यक्ष ही पहुंचे थे, जिस पर अग्रवाल ने नाराज़गी जताते हुए अनुपस्थितों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ दूसरे सत्र में मंच साझा करने से पहले ही अग्रवाल कार्यशाला छोड़कर निकल गए। गृह राज्य मंत्री जवाहर बेढ़म उन्हें मनाने भी पहुंचे, लेकिन वे नहीं माने। बाद में डॉ. अग्रवाल ने कहा कि उन्हें भाजपा नेताओं श्रवण बगड़ी और गजेन्द्र सिंह खींवसर से पूर्व निर्धारित मुलाकात के लिए निकलना था। उन्होंने कहा कि

- **सूत्रों के अनुसार, कार्यशाला में केवल 5 सांसद, 72 विधायक, 42 प्रत्याशी और 13 जिलाध्यक्ष ही पहुंचे थे। प्रभारी अग्रवाल ने अनुपस्थितों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की चेतावनी दी।**

"मंत्री बेढ़म ने रुकने का आग्रह किया, लेकिन तय कार्यक्रम के चलते मुझे जाना पड़ा।'

कार्यशाला में मुख्यमंत्री शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, सांसद दामोदर अग्रवाल, वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक परनामी सहित अन्य वरिष्ठ नेता मंच पर उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित चेची द्वारा युवा मैराथन के पोस्टर व टी-शर्ट का विमोचन किया गया। मंच संचालन कुलदीप धनकड़ व मुकेश दाधीच ने किया। सेवा पखवाड़ा अभियान के संयोजक संतोष अहलावत ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी।

ट्रम्प के प्रबल समर्थक, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति बंदूकधारियों द्वारा मारे जा चुके हैं। लेकिन कटुता और नफरत इस स्तर पर पहले कभी नहीं देखी गई, जैसी डॉनल्ड ट्रंप के समय में दिख रही है।

ट्रंप ने अमेरिकी संस्थाओं को चुनौती दी और चुनाव परिणाम को ठुकराते हुए राजधानी में अराजकता फैलाई। उन्होंने अपने समर्थकों को वॉशिंगटन बुलाया, जिन्होंने बाद में कैपिटल हिल पर धावा बोला। इसमें कुछ सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई और कई घायल हुए और कई गिरफ्तार किए गए। हिंसा और सरकारी संस्थाओं पर हमले की निंदा करने के बजाय ट्रंप ने डेमोक्रेट्स और चुनाव व्यवस्था पर यह आरोप लगाया कि उन्होंने 2016 में उनका चुनाव "चुरा" लिया, जब जो बाइडन विजेता घोषित किए गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति में एक अलग तरह का वैमनस्य भर दिया। इससे पहले तक

- **ट्रंप का नारा "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" और इस दर्शन के अंतर्गत चलाए गए अभियान ने अमेरिका के समाज में गहरी खाइयां बना दी हैं, जिसकी कीमत अब अमेरिका चुका रहा है।**

वहां राजनीति में विचारों और मुद्दों पर मतभेद होते थे, लेकिन निजी जीवन में राजनीतिक विरोधी भी आपस में दोस्त बने रहते थे। ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति की इस परंपरा को बदल डाला।

ट्रंप ने अपनी राष्ट्रपति पद की दौड़ 2015 में शुरू की थी, जिसमें उन्होंने प्रवासियों और मैक्सिकन नागरिकों पर ज़हरीले हमले किए और आरोप लगाया कि ये लोग हिंसा, अपराध और अन्य बुराइयां फैला रहे हैं। लेकिन मुख्यधारा की राजनीति ने इस तरह की बयानबाज़ी पर कोई ध्यान नहीं दिया। धीरे-धीरे पूरी रिपब्लिकन पार्टी ट्रंप के आगे झुक गई और उन्हें नफरत और टकराव भरे भाषणों की पूरी छूट दे दी। इसी बीच, अश्वेतों की पुलिस के हाथों मौत पर देशभर में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। ऐसी घटनाओं की एक लंबी श्रृंखला पूरे अमेरिका में देखने को मिली। बराक ओबामा के राष्ट्रपति बनने के बाद, जो अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे, ट्रंप ने अश्वेतों के प्रति नफरत को और हवा दी। उसके बाद से यह लहर और भी तेज़ होती गई। लेकिन अब आम अमेरिकी नागरिक घटनाओं की इस दिशा को लेकर गहराई से चिंतित हो रहे हैं। लोग अमेरिकी राष्ट्रपति की हरकतों को नकारात्मक रूप से देखने लगे हैं और हाल ही में उनकी लोकप्रियता तेजी से गिर गई है।

भारतीय नागरिक रूसी सेना में शामिल होने के झांसे में नहीं आयें

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। रूस की सेना में कुछ भारतीय नागरिकों की भर्ती की मीडिया रिपोर्टों के बीच, विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रस्ताव के झांसे में न आए, क्योंकि इसमें कई जोखिम हैं।

- **विदेश मंत्रालय ने नागरिकों को इसके खतरों से फिर आगाह किया।**

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती से संबंधित मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि, हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह की कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों को रेखांकित किया है और तदनुसार भारतीय नागरिकों को आगाह किया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने मास्को और यहां, दोनों जगहों पर रूसी अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाया है और अनुरोध किया है कि इस प्रथा को समाप्त कर हमारे नागरिकों को वापस भेजा जाना चाहिए।

ब्लूटूथ से नकल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से नकल कर चयनित हुए थे। फिलहाल एसओजी की टीम उनसे पूछताछ करने में जुटी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल कर चयनित हुए कनिष्ठ लिपिक राम प्रकाश जाट निवासी कुचेरा जिला नागौर और सुनील विश्नोई निवासी रावतसर जिला हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

सिंह ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से कनिष्ठ न्यायिक, सहायक लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पदों पर सीधी भर्ती के संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 12 मार्च 2023 एवं 19 मार्च 2023 को 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की गई थी, जिसमें आरोपी राम प्रकाश जाट का परीक्षा केन्द्र विजयन डी. सूरी जैन विद्यापीठ सी. सै. स्कूल, नागौर (राजस्थान) था और आरोपी सुनील विश्नोई का परीक्षा केन्द्र श्री नेहरू मेमोरियल चिल्ड्रन सी. सै. स्कूल हनुमानगढ़ (राजस्थान) था। संगठित नकल गिरोह के मुख्य आरोपी पौरव कालेर निवासी छापर जिला चूरू द्वारा सालासर से मोबाइल फोन के माध्यम से राम प्रकाश जाट और सुनील विश्नोई को ब्ल्यूटूथ डिवाइस से नकल करवाई थी।

इसके लिए 4 लाख रूपये में सौदा तय हुआ था। आरोपी राम प्रकाश जाट नकल कर पास हो गया था और वर्तमान में पॉक्सो कोर्ट कम संख्या-01 उदयपुर में पदस्थापित था तथा विगत 7 माह से फरार चल रहा था। सुनील विश्नोई जिला सैशन कोर्ट हनुमानगढ़ में पदस्थापित था तथा गिरफ्तारी के भय से गत 6 माह से स्वैच्छिक रूप से अनुपस्थित था एवं फरार चल रहा था।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कौशल विकास में संगठन की भूमिका की सराहना की, जबकि उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने तकनीकी शिक्षा में हुई प्रगति को साझा किया।

आइडियोथॉन में जयपुर के तन्मय व्यास और चारू वैष्णव के स्टार्टअप को प्रथम पुरस्कार मिला। रेल मंत्री ने इनके -बनाए ट्रेन स्पीड कंट्रोल प्रोटोटाइप को रेलवे में परीक्षण करने का निर्देश भी दिया। कार्यक्रम में स्टोनमार्ट-2026 के ब्रोशर का विमोचन भी हुआ। इस मौके पर लघु उद्योग भारती प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महेंद्र खुराना, नरेश पारीक, नटवरलाल अजमेरा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केदारनाथ, 2500 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक लाख रुपये खर्च हो चुके थे। डेढ़ सौ रुपये में पानी की बोतल, 2,500 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से जबरन कराए गए पूजा-पाठ, और मंदिर स्टाफ द्वारा चलाए जा रहे आवास घोटालों ने पूरी तस्वीर को और भी गंभीर बना दिया।

ऐसी ही कहानियाँ बैद्यनाथ, हरिद्वार और द्वारका जैसे अन्य पवित्र स्थलों से भी सामने आ रही हैं, जहां दलाल, बिकाऊ कतारें और जर्जर बुनियादी ढांचा श्रद्धालुओं की आस्था की अग्निपरीक्षा ले रहे हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि कैसे भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों की गरिमा छीनी जा रही है... और क्यों वैश्विक मानकों पर आधारित एक "टैंपल चार्टर" ही इसका स्थायी समाधान हो सकता है।

महिला एईएन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के एवज में अलग-अलग तरीके से रिश्वत की मांग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि करीब 35 से 40 लाख रुपए का ठेकेदार का बिल था।

गत एक साल से ठेकेदार को परेशान किया जा रहा था। ठेकेदार की शिकायत मिलने के बाद मामले का गुप्त तरीके से भौतिक सत्यापन कराया गया। भौतिक सत्यापन में मामला सही पाए जाने के बाद गुरुवार को नगर परिषद कार्यालय में एसीबी की टीम ने छापा मारकर पांच कर्मचारियों को 3 लाख 10 की राशि के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है। आयुक्त से भी पूछताछ की जा रही है।

भौतिक सत्यापन में आयुक्त अशोक शर्मा के नाम का भी जिक्र हुआ है। फिलहाल धौलपुर में अचानक की गई एसीबी की कार्रवाई से सरकारी विभागों में हड़कंप मच गया है। एसीबी की कार्रवाई के बाद नगर परिषद कार्यालय का पूरा दफ्तर खाली हो गया है। एडिशनल एसपी ने बताया कि इस मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। अनुसंधान के बाद आरोपियों को भरतपुर एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

तीन हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय कोलीजियम ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों को पदोन्नत कर मुख्य

- **न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय, एम. सुंदर को मणिपुर तथा बजंथरी को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया जायेगा।**

न्यायाधीश बनाने की गुरुवार को सिफारिश की। शीर्ष अदालत की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गयी है। इसी प्रकार मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. सुंदर को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. बी. बजंथरी को उसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गयी है।

मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक भाजपा का सेवा पखवाड़ा

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनायेगी।

इस अभियान में सेवा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रिनर्माण को केन्द्र में रखा गया है। इसके अंतर्गत रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच कैम्प, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण के लिए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान, प्रदर्शनी, संवाद कार्यक्रम, दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण, "मोदी विकास

- **सेवा पखवाड़े में मोदी के जीवन व उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जायेंगी।**

मैराथन", खेल महोत्सव और ड्रॉइंग प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन एवं उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी तथा समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद और सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करने के साथ-साथ 771 संवाद कार्यक्रम भी देशभर के सभी प्रांतों में आयोजित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का 17 सितंबर को जन्मदिवस है और उन्होंने भारत की राजनीति में सेवा, स्वच्छता जैसे मौलिक विषयों को सबके सामने स्थापित किया है।

'मोदी कार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1500 सीसी डीजल) पर कर घटाकर, 18 प्रतिशत (पहले 29-31प्रतिशत) कर दिया है, जबकि बड़ी कारों (4 मीटर से अधिक, 1500 सीसी से ऊपर की इंजन क्षमता और 170 मिमी से अधिक ग्राउंड क्लीयरेंस) पर कर घटाकर, 40 प्रतिशत (पहले 50 प्रतिशत) किया गया है। इसके साथ ही, केन्द्र सरकार ने मुआवजा उपकर (कैम्पन्सैशन सैस) भी हटा लिया है। पूर्व पत्रकार और मीडिया प्रोफेसर प्रदीप माथुर ने टिप्पणी की, "ऐसी कवायद को आमतौर पर अनैतिक श्रेणी में रखा जाता, लेकिन वर्तमान सरकार इसे अपने विशेषाधिकार के रूप में देखती है।"

एसआई भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसआई को स्वतंत्र निर्णय और काम करने की छूट दी जाती है।

इसके अलावा, एकलपीठ ने जिन रिपोर्ट्स के आधार पर भर्ती को रद्द करने योग्य माना था, खंडपीठ ने उन रिपोर्ट्स को अप्रमाणित मान लिया, जबकि सुप्रीम कोर्ट राफेल केस में तय कर चुका है कि दस्तावेज किसी भी माध्यम से मिला हो, यदि वह सही है तो कोर्ट उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता।

वहीं, यदि दागियों को ट्रेनिंग दी जाएगी तो इससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कम होगा। दूसरी ओर खंडपीठ के अपीलार्थी अमर सिंह व विक्रम पंवार की ओर से मामले में सुप्रीम कोर्ट में कैविएट पेश कीगई है।

मोदी के लेख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर उनके लिए लिखा गया "हद से ज़्यादा स्तुतिपरक लेख" संघ नेतृत्व को रिझाने की "हताशा भरी कोशिश" है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भागवत की बौद्धिक गहराई और परोपकार से भरे नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 2009 से आरएसएस प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल संगठन की 100 साल की यात्रा का सबसे परिवर्तनकारी दौर माना जाएगा। गुरुवार (11 सितंबर 2025) को कई अखबारों में प्रकाशित एक प्रशंसात्मक लेख में, मोदी ने कहा कि भागवत 'वसुधैव कुटुंबकम' के जीवंत उदाहरण हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक परिवर्तन और सद्भाव व भाईचारे की भावना को सशक्त करने के लिए समर्पित किया है कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने आरएसएस नेतृत्व की कृपा पाने की व्यग्रता में मोहन भागवत के 75 वें जन्मदिन पर हद से ज़्यादा स्तुतिपरक लेख लिखा है।"रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने यह याद दिलाया है कि 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में अपना अमर भाषण दिया था। उन्होंने यह भी याद दिलाया है कि 11 सितंबर 2001 को ही अमेरिका में अल कायदा के आतंकवादी हमले हुए थे।" कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर आगे लिखा, "लेकिन इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री ने यह उल्लेख नहीं किया कि महात्मा गांधी ने 11 सितंबर 1906 को जोहान्सबर्ग में पहली बार सत्याग्रह का आ ान किया था। उसी दिन दुनिया ने पहली बार इस क्रांतिकारी विचार को सुना था।" रमेश ने कहा, "बेशक, यह उम्मीद करना बहुत ज़्यादा होगा कि प्रधानमंत्री सत्याग्रह की उत्पत्ति को याद रखें, क्योंकि उनके लिए तो सत्य शब्द ही पराया है।"उन्होने कहा, "प्रधानमंत्री, जो खुद को "नॉन बायोलॉजिकल" बताते हैं, अपने प्रवचनों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं, जैसे वे ईश्वरीय कथन हों।"

राष्ट्रपति व राज्यपाल की विधेयक मंजूरी की समय सीमा पर फैसला सुरक्षित

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के संदर्भ पर 10 दिन संबंधित पक्षों की दलीलें सुनीं

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंज़ूरी देने की समय-सीमा निर्धारित करने के विवाद से जुड़े राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की संविधान पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें 10 दिनों तक सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

राष्ट्रपति संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 200/201 के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंज़ूरी देने की समय-सीमा से संबंधित प्रश्न उठाए गए थे।

राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए यह संदर्भ प्रस्तुत किया गया था, जो सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख को किसी भी कानूनी प्रश्न या सार्वजनिक महत्व के तथ्य पर उच्चतम न्यायालय की राय लेने की अनुमति देता है।

राष्ट्रपति ने इस संदर्भ में 14 प्रश्नों पर शीर्ष अदालत की राय मांगी। सवालों में यह भी शामिल है कि क्या देश के संविधान के अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा संवैधानिक विवेकाधिकार का प्रयोग न्यायोचित है। संदर्भ में राय मांगी गई है, "क्या संविधान के अनुच्छेद 200 और अनुच्छेद 201 के अंतर्गत राज्यपाल और राष्ट्रपति के

- **राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को भेजे रैफरेन्स में शीर्ष न्यायालय से 14 प्रश्नों पर राय मांगी थी।**

निर्णय, कानून के लागू होने से पहले के चरण में न्यायोचित हैं? क्या न्यायालयों के लिए किसी विधेयक के कानून बनने से पहले, किसी भी रूप में, उसकी विषय-वस्तु पर न्यायिक निर्णय लेना अनुमन्य है?"

राष्ट्रपति की ओर से यह भी राय मांगी गयी है कि क्या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कानून संविधान के अनुच्छेद 200 के अंतर्गत राज्यपाल की स्वीकृति के बिना भी लागू कानून है।

इसमें यह भी राय देने को कहा गया है, "क्या संविधान, भारत के संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत वाद के माध्यम से छोड़कर, केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए शीर्ष न्यायालय के किसी अन्य अधिकार क्षेत्र को रोकता है?" राष्ट्रपति ने महसूस किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जब राज्य सरकारें अक्सर संविधान के अनुच्छेद 32 और 131 का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाती हैं, कानूनी प्रश्नों पर शीर्ष अदालत की राय लेना समय की मांग है।

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति संदर्भ के मामले में 22 जुलाई को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर इन सवालों पर अपना पक्ष रखने को कहा था। शीर्ष अदालत ने 29 जुलाई को कहा था कि वह 29 अगस्त से 10 सितंबर के दौरान सुनवाई संबंधित पक्षों की दलीलें सुनेगी।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ (शीर्ष अदालत में) ने आठ अप्रैल, 2025 के अपने एक फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि द्वारा 10 विधेयकों को पुनः अधिनियमित किए जाने के बाद राष्ट्रपति के लिए आरक्षित करने के फैसले को अवैध घोषित किया था।

छत्तीसगढ़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली ढेर

गरियाबंद, 11 सितंबर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान को गुरुवार को तब बड़ी सफलता मिली, जब सुरक्षा बलों ने एक करोड़ के इनामी नक्सली समेत दस नक्सलियों को मार गिराया।

आज सुबह थाना मैनपुर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की सक्रियता की सूचना मिलने के बाद ई 30, विशेष सुरक्षा बल और कोबरा की संयुक्त टीम घटनास्थल की ओर रवाना हुई। सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच लंबी और तीव्र मुठभेड़ हुई। जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ में माओवादी केन्द्रीय कमेटी के कई बड़े नक्सली मारे गए हैं। माना जा रहा है कि इनमें एक प्रमुख नक्सली मनोज भी शामिल हैं, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। राखेचा ने बताया कि अभियान पूरी तरह से सुरक्षा बलों की रणनीति के तहत संपन्न हुआ।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908